वार्षिक प्रतिवेदन 2017-18

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर - 342 304 (राजस्थान)

वार्षिक प्रतिवेदन

2017 - 2018

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर - 342 304 (राजस्थान)

संपादक एवं समन्वयक:

डॉ. बलवन्त सिंह राजपुरोहित

निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

सम्पादक मण्डल:

डॉ. बी.आर. चौधरी, निदेशक अनुसंधान

डॉ. ईश्वर सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा

डॉ. एस.डी. रतनू, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली

डॉ. बलवन्त सिंह राजपुरोहित, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मंडोर–जोधपुर

डॉ. सीताराम कुम्हार, अतिरिक्त निदेशक (बीज)

डॉ. मनमोहन सुन्दरिया, सहायक आचार्य, कीट विज्ञान

डॉ. मूलाराम, सहायक आचार्य, शस्य विज्ञान

प्रकाशक:

निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

Email: drpmeaujodhpur@gmail.com

मुद्रक:

एवरग्रीन प्रिण्टर्स, जोधपुर 9414128647

विषय सूची

	प्राक्कथन	i
	कार्यकारी सारांश	v
1.	संस्थान परिचय	1
2.	कृषि अनुसंधान	12
3.	कृषि प्रसार शिक्षा	23
4.	कृषि शिक्षा	
	(अ) कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर	32
	(ब) कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली	36
	(स) कृषि महाविद्यालय एवं कृषि डिप्लोमा संस्थान, नागौर	45
5.	प्रकाशन	47
6.	पुरस्कार एवं सम्मान	50

प्राक्कथन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का वार्षिक प्रतिवेदन 2017–18 प्रकाशित करने पर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही हैं। उक्त वार्षिक प्रतिवेदन के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा विगत वर्ष में कृषि शिक्षा, कृषि अनुसंधान, कृषि प्रसार शिक्षा एवं प्रशासनिक गतिविधियों को संकलित किया गया है। इन मुख्य कार्यो में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के मुख्यालय मंडोर, जोधपुर केन्द्र व अन्य केन्द्रों पर स्थित पुरानें ढांचों, भवन, अतिथि गृह आदि का जीर्णोद्धार तथा नये आधारभूत ढांचे का निर्माण, कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर पर सड़कों का निर्माण, मुख्यालय व अन्य केन्द्रों जिनमें नागौर, समदड़ी (बाड़मेर) आदि पर चार दीवारी का निर्माण, मंडोर स्थित सभागार का जीर्णोद्वार, अनुसंधान प्रक्षेत्र के विभिन्न खण्डों में तारबंदी व अनुसंधान फार्म में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली को स्थापित करना आदि है।

दिनांक 14 सितम्बर, 2017 को विश्वविद्यालय का पाँचवा स्थापना दिवस हर्षोउल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि डॉ हर्ष कुमार भनवाला, अध्यक्ष, नाबार्ड, मुंम्बई रहे तथा उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन कर सराहना की।

वर्ष 2017–18 में विश्वविद्यालय में कृषि स्नातक में 150 एवं कृषि स्नातकोत्तर में 12 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया। प्रथम बार विश्वविद्यालय के स्वयं के स्तर पर परीक्षाओं का सफलता पूर्वक आयोजन किया जा रहा है जो पूर्व में पैतृक विश्वविद्यालय स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा आयोजित की जा रही थी। इस वर्ष कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय का भ्रमण किया और यहां चल रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर प्रशंसा की। जिनमें प्रमुख रूप से माननीय श्री सी.आर चौधरी, केन्द्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य, सार्वजनिक वितरण विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकारय मिजोरम के पूर्व राज्यपाल

माननीय श्री ए.आर. कोहली, माननीय राज्यसभा सांसद, श्री नारायण लाल पंचारिया इत्यादि रहे। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीनस्थ नवस्थापित कृषि महाविद्यालय, नागौर के भवन निर्माण का कार्य इस वर्ष मार्च 2018 तक पूर्ण होने की संभावना है । यह नवनिर्मित भवन आधुनिक तकनीक का पूरे राज्य में एक उदाहरण है जिसमें सौर उर्जा तथा वर्षापुनर्भरण तकनीक का बखूबी इस्तेमाल किया गया है। इस वर्ष कृषि महाविद्यालय, सुमेरपूर तथा कृषि महाविद्यालय, मंडोर के भवन के द्वितीय चरण एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के निर्माण हेतु राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव प्रेषित किये गये है। इन महाविद्यालयों में प्रयोगशाला, पुस्तकालय और कम्प्यूटर लैब की स्थापना, विद्यार्थियों के अध्यापन हेतु बेहतरीन अध्यापन कक्षों की स्थापना करना आदि मुख्य कार्य प्रस्तावित है। वर्ष 2017–18 में विश्वविद्यालय ने द्वितीय अनुसंधान परिषद की बैठक, द्वितीय प्रसार शिक्षा परिषद बैठक, चतुर्थ एवं पंचम अकादमिक परिषद् बैठक, तृतीय एवं चतुर्थ प्रबंध मंडल की बैठक आयोजित कर वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के चयन हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लेकर मापदण्ड निर्धारित किये गये। वर्तमान में शैक्षणिक वर्ग के पदों को भरने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है जिसके अंतर्गत शैक्षणिक वर्ग के पदों के लिए चयन प्रक्रिया को इस वर्ष मार्च, 2018 तक पूरा कर लिया जायेगा एवं इसी प्रकार अशैक्षणिक वर्ग के पदों को भरने का कार्य भी इस वर्ष संभवतः अप्रैल 2018 तक पूरा कर लिया जायेगा।

विश्वविद्यालय में छात्रों की भागीदारी से बडे पैमानें पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। विश्वविद्यालय द्वारा गोदित गांव नेवरा रोड में वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता से गांव के विकास हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यो का संचालन किया गया। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को अगले पाँच वर्षों के लिये लगभग 35.0 करोड़ रू एवं कृषक प्रथम परियोजना के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा 99.00 लाख रू स्वीकृत हुये है। विगत दो वर्षो से बीज उत्पादन करीब 400 क्विंटल से 2000 क्विंटल किया जाकर क्षेत्र के किसानों को उपलब्ध कराया गया जिससे किसानों के खेतों पर बहुत सकारात्मक परिणाम मिलना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। इसके अतिरिक्त कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के अन्तर्गत जालोर व नागौर जिले में दो बीज हब का आंवटन किया गया जिसके लिये 3.00 करोड़ रू की धनराशि विश्वविद्यालय को दो बीज हब केन्द्र की स्थापना हेतु मंजूर की गई। International Bioversity Project (GEF) के अंतर्गत जैव विविधता के संरक्षण, नई तकनीकों एवं किस्मों पर परियोजना में भी कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को शामिल किया गया है।

राज्य सरकार के दिशानिर्देशानुसार, विश्वविद्यालय के प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र पर 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केन्द्र' की स्थापना हेतु प्रयास किये जा रहे जिससे किसानों को तकनीकी तौर पर प्रशिक्षित कर स्वरोजगार के अधिक अवसर प्राप्त हो सके।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के 'एम्पॉवर प्रोजेक्ट' के अंतर्गत कामकाजी महिलाओं हेतु तीन दिवसीय (दिनांक 14 से 16 दिसम्बर, 2017) प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन

किया गया। विश्वविद्यालय में समय समय पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है जिनमें संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस, कृषि शिक्षा दिवस, अंत्योंदय दिवस, कृषि विकास हेतु अंतर्राष्ट्रीय कोष तथा अंतर्राष्ट्रीय अर्द्ध–शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों के लिये फसल अनुसंधान संस्थान (इक्रीसेट) के शिष्ट मंडलों ने भ्रमण किया। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वाधान में विश्वविद्यालय में दिनांक 28–31 जनवरी 2018 के दौरान ''पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि मेला'' का सफल आयोजन किया गया।

मैं इस वार्षिक प्रतिवेदन के प्रकाशन तथा समस्त वार्षिक गतिविधियों व कार्यो के सफल क्रियान्वयन हेतु समस्त वैज्ञानिकों व कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देता हूँ। मुझे आशा एवं पूरा विश्वास है कि आने वाले वर्षों में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर हर क्षेत्र में और आगे प्रगति करेगा।

(बलराज सिंह)
कुलपति
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

कार्यकारी सारांश

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना राज्य के पश्चिमी क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्रों में विकास, प्रचार–प्रसार के कार्यों को निष्पादित कर क्षेत्र की समग्र कृषि एवं कृषि आधारित क्रिया–कलापों का उन्नयन कर विकासोन्मुखी बनाने हेतु की गई हैं।

यह एक नव सृजित विश्वविद्यालय हैं, जो अपने शैशव काल से ही प्रगति की ओर अग्रसर हैं। विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में छः जिलों जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, सिरोही एवं नागौर का भू–भाग आता हैं। कृषि जलवायु खण्डों के आधार पर यह क्षेत्र तीन भागों में विभक्त किया गया हैं। जोधपुर तथा बाड़मेर जिलों का भू–भाग 'शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड – I अ' के अंतर्गत आता हैं। जालोर, पाली, सिरोही (पिण्डवाड़ा तथा आबूरोड़ तहसील सम्मिलित नहीं) तथा जोधपुर की बिलाड़ा एवं भोपालगढ़ तहसील का भू–भाग 'लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड – II ब' के अंतर्गत हैं। नागौर जिले का भू–भाग 'भीतरी जल निकास के मैदान खण्ड – II अ' के अंतर्गत हैं।

विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में जलवायुवीय परिस्थितियाँ कृषि के लिये काफी चुनौतीपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में कम तथा अनियमित वर्षा, अधिक तापमान, तेज/गरम हवाऐं इत्यादि कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड – I अ में औसत वर्षा 100 से 300 मि.मी., उच्चतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक रहता हैं। लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड – II ब में औसत वर्षा 330 से 591 मि.मी. तथा अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 1 से 5 डिग्री सेल्सियस रहता हैं।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का 28 प्रतिशत भू–भाग इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में हैं। इस भू–भाग में औद्योगिकीकरण कम है तथा कृषि एवं पशुपालन ही आजीविका का मुख्य साधन हैं। इन कृषि जलवायु खण्डों में स्थित कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकी/प्रौद्योगिकी उपलब्ध करा कर उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने, जल एवं मृदा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग वैज्ञानिक पद्वति अपना कर कृषि के समग्र विकास हेतु दो कृषि अनुसंधान केन्द्र (मंडोर–जोधपुर, केशवाना–जालोर) तथा तीन कृषि अनुसंधान उप–केन्द्रों (सुमेरपुर–पाली, समदड़ी–बाड़मेर तथा नागौर) पर कृषि अनुसंधान कार्य किया जा रहा हैं। इन केन्द्रों पर बाजरा, मूँग, मोठ, ग्वार, तिल, अरण्डी, सरसों, राजगीरा, गेहूँ, जीरा, इसबगोल, मैथी इत्यादि फसलों पर अनुसंधान कार्य जारी हैं। मुख्य फसलों के अतिरिक्त निर्यात योग्य फसलें या उससे प्राप्त उत्पाद जैसे– जीरा, अरण्डी, मसालें एवं औषधीय महत्त्व वाली फसल इसबगोल पर अनुसंधान हेतु विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। उद्यानिकी फसलों जैसे–प्याज, लहसुन, गाजर, आलू पर भी अनुसंधान प्रारंभिक स्तर पर शुरू किया जा चुका हैं।

नवीनतम कृषि तकनीकों के प्रचार–प्रसार तथा आवश्यक आंशिक संशोधन हेतु विश्वविद्यालय के कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीनस्थ छः कृषि विज्ञान केन्द्र (मौलासर – नागौर, अठियासन – नागौर, फलौदी – जोधपुर, केशवाना – जालोर, गुड़ामालानी – बाड़मेर एवं सिरोही) इन क्षेत्रों के किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा समस्याओं का निराकरण व नवीन तकनीकों की जानकारी करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

विश्वविद्यालय में तीन कृषि महाविद्यालय (मंडोर – जोधपुर, सुमेरपुर – पाली तथा नागौर) संचालित किये जा

रहे हैं। वर्तमान में सुमेरपुर – पाली तथा नागौर के महाविद्यालयों में स्नात्तक स्तर तक का शिक्षण कार्य किया जा रहा हैं तथा कृषि महाविद्यालय मंडोर – जोधपुर में स्नात्तक तथा स्नातकोत्तर शिक्षण कार्य किया जा रहा हैं।

विश्वविद्यालय की लगभग संपूर्ण गतिविधियों हेतु बजट राज्य सरकार की योजना, गैर – योजना, क्षेत्रीय, नार्प तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। यह विश्वविद्यालय अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की प्रगति हेतु अनुसंधान, कृषि प्रसार तथा कृषि शिक्षा जैसे विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं के अनुसार सतत् प्रयासरत हैं।

वर्ष 2017–18 में विश्वविद्यालय ने द्वितीय अनुसंधान परिषद की बैठक, द्वितीय प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक, चतुर्थ एवं पंचम अकादमिक परिषद बैठक, तृतीय एवं चतुर्थ प्रबंध मंडल की बैठक माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कर विभिन्न प्रस्तावों के प्रेषण सम्बन्धित जानकारी देकर सहमति प्राप्त की गई।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के मुख्यालय निर्माण का कार्य कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर–जोधपुर पर RSRDC द्वारा करवाने का प्रस्ताव हैं।

International Bioversity Project (GEF) के अंतर्गत जैव विविधता के संरक्षण, नई तकनीकों एवं किस्मों पर परियोजना स्वीकृत की गई है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को अगले पांच वर्षो के लिये लगभग 35 करोड रू एवं कृषक प्रथम परियोजना के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा 99.00 लाख रू. स्वीकृत हुए है।

बायोवरसिटी इन्टरनेशनल एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा राजस्थान के बाड़मेर व जोधपुर जिलों में कृषि विविधता संरक्षण और कृषि क्षेत्र परिस्थितिकी सुरक्षा एवं बाध्यता को कम करने हेतु अनुमानित 99 लाख रूपये की परियोजना की स्वीकृती कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को दी गई।

बीजोत्पादन कार्यक्रम के अर्न्तगत कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर व वेलनेक्स्ट सीड्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के मध्य बाजरे की संकर किस्म एम.पी.एम.एच. 17 के उत्पादन पर नॉन एक्सक्लुसिव एम. ओ. यु. (MoU) किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा संकर बाजरे का – बीज उत्पादन कार्यक्रम जायद 2017 (फरवरी–जून) में सफलतापूर्वक किया गया। इस बीज द्वारा किसानों के खेतों पर उगाई गई फसल के परिणाम अन्य किस्मों के मुकाबले बहुत ही प्रभावशाली व उत्साहवर्द्धक रहे हैं। इस वर्ष में संकर बाजरे का लगभग 106 क्विंटल बीज प्राप्त किया गया।

इस वर्ष अन्य फसलों जैसे मूंग, मोठ, ग्वार, गेहूँ, राया, चना, जीरा, धनिया, मैथी, ईसबगोल एवं मिर्च का 1686 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया।

सरसों के 100 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के जरिये सरसों अनुसंधान निदेशालय भरतपुर द्वारा स्वीकृत रूपये 2.16 लाख की परियोजना Assessment of Transfer of Improved Production Technology of Rapeseed-Mustard in Jurisdiction of AU, Jodhpur of Rajasthan Through Frontline Demonstration (FLDs) के अर्न्तगत किसानों को दिये गये।

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों द्वारा मसालों की उन्नत कृषि तकनीकों का प्रचार–प्रसार करने हेतु जीरे के 25 प्रदर्शन (1.0 हैक्टेयर/प्रदर्शन) व मैथी के 40 प्रदर्शन (0.5 हैक्टेयर/प्रदर्शन) मिलाकर कुल 45 है. क्षेत्र में लगाये गये। किसानों को सभी आदान जैसे कि बीज, उर्वरक, खरपतवारनाशी, कीटनाशी, फफूंदनाशी इत्यादि रसायन प्रदान किये गये।

मसाला फसलों की उन्नत तकनीकों का प्रचार प्रसार करने हेतु तीन कृषक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन (कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर–जोधपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र, फलौदी–जोधपुर व गाँव इन्दावड़ मेड़ता सिटी–नागौर प्रत्येक पर) किया गया। कार्यक्रमों में कुल 360 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्नत कृषि क्रियाओं की जानकारी प्राप्त की।

मसाला फसलों की उन्नत तकनीक का प्रचार प्रसार करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर एक सेमिनार "Research and Developmental Advances in Spices, Medicinal and Aromatic Crops Cultivation, Processing and Trade for Prosperity of Indian Farmers" (SMAC-2017) का आयोजन 1–2 फरवरी 2017 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर–जोधपुर पर किया गया। इस सेमिनार में कुल 247 प्रतिभागियों ने भाग लेकर बीजीय मसाला फसलों के अर्न्तगत विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिये।

डॉ. टी. महापात्रा, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने दिनांक 13 अगस्त, 2017 को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं भा.कृ.अनु.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के अनुसंधान प्रक्षेत्रों का भ्रमण व अवलोकन किया।

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा गोदित गांव (नेवरा रोड) के उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्मार्ट बोर्ड की स्थापना की गई।

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर पर दिनांक 15.09.2017 को किसान मेले का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 1500 किसानों ने भाग लिया।

एफ.आई.सी.सी.आई. एवं राजस्थान सरकार द्वारा कोटा में दिनांक 24–26 मई 2017 एवं उदयपुर में दिनांक 7–9 नवम्बर 2017 को आयोजित ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम–2017) में प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा भाग लिया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न तकनीकियों एवं उन्नत किस्मों को अधिक से अधिक कृषकों तक पहुँचाने हेतु केन्द्र पर 68 प्रशिक्षणों का आयोजन किया, जिसमें कुल 1653 किसानों ने भाग लिया। किसानों के खेतों पर 83 प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 3080 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 35 प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें कुल 1015 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही द्वारा दिनांक 27 अगस्त, 2017 को ''संकल्प से सिद्धि'' (न्यू इण्डिया मंथन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मृदा स्वास्थ्य, उर्वरकता और उत्पादकता के सम्बन्ध में ज्ञान वृद्धि हेतु सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर अंतर्राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन दिनांक 5 दिसम्बर 2017 को किया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वाधान में दिनांक 28–31 जनवरी 2018 के दौरान

''पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि मेला'' का आयोजन विश्वविद्यालय के मंडोर स्थित मुख्यालय परिसर पर किया गया। जिसमें कुल 6000 किसानों एवं 100 वैज्ञानिकों/कृषि अधिकारियों ने भाग लिया।

कृषि महाविद्यालय, मंडोर जोधपुर, सुमेरपुर (पाली) एवं नागौर में विद्यार्थीयों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने एवं उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिये आवश्यक शैक्षणिक वातावरण जैसे नियमित कक्षाओं का संचालन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल–कूद प्रतियोगिता, व्याख्यान इत्यादि का आयोजन समय–समय पर किया जा रहा हैं।

1. संस्थान परिचय

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना राज्य के पश्चिमी क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्रों में विकास, प्रचार–प्रसार के कार्यों को निष्पादित कर क्षेत्र की समग्र कृषि एवं कृषि आधारित क्रिया–कलापों का उन्नयन कर विकासोन्मुखी बनाने हेतु की गई हैं।

यह एक नव सृजित विश्वविद्यालय हैं, जो अपने शैशव काल से ही प्रगति की ओर अग्रसर हैं। विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में छः जिलों जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, सिरोही एवं नागौर का भू–भाग आता हैं। कृषि जलवायु खण्डों के आधार पर यह क्षेत्र तीन भागों में विभक्त किया गया हैं। जोधपुर तथा बाड़मेर जिलों का भू–भाग 'शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड – I अ' के अंतर्गत आता हैं। जालोर, पाली, सिरोही (पिण्डवाड़ा तथा आबूरोड़ तहसील सम्मिलित नहीं) तथा जोधपुर की बिलाड़ा एवं भोपालगढ़ तहसील का भू–भाग 'लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड – II ब' के अंतर्गत हैं। नागौर जिले का भू–भाग 'भीतरी जल निकास के मैदान खण्ड – II अ' के अंतर्गत हैं।

विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में जलवायु परिस्थितियाँ कृषि के लिये काफी चुनौतीपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में वर्षा कम तथा अनियमित, अधिक तापमान, तेज/गरम हवाऐं इत्यादि कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड – I अ में औसत वर्षा 100 से 300 मि.मी., उच्चतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक रहता हैं। लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड – II ब में औसत वर्षा 330 से 591 मि.मी. तथा अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 1 से 5 डिग्री सेल्सियस रहता हैं।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का 28 प्रतिशत भू–भाग इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में हैं। इस भू–भाग में औद्योगिकीकरण कम है तथा कृषि एवं पशुपालन ही आजीविका का मुख्य साधन हैं। इन कृषि जलवायु खण्डों में स्थित कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकी/प्रौद्योगिकी उपलब्ध करा कर उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने, जल एवं मृदा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग वैज्ञानिक पद्धति अपना कर कृषि के समग्र विकास हेतु दो कृषि अनुसंधान केन्द्र (मण्डोर–जोधपुर, केशवाना–जालोर) तथा तीन कृषि अनुसंधान उप–केन्द्रों (सुमेरपुर–पाली, समदड़ी–बाड़मेर तथा नागौर) पर कृषि अनुसंधान कार्य किया जा रहा हैं। इन केन्द्रों पर बाजरा, मूँग, मोठ, ग्वार, तिल, अरण्डी, सरसों, राजगीरा, गेंहूँ, जीरा, इसबगोल, मैथी इत्यादि फसलों पर अनुसंधान कार्य

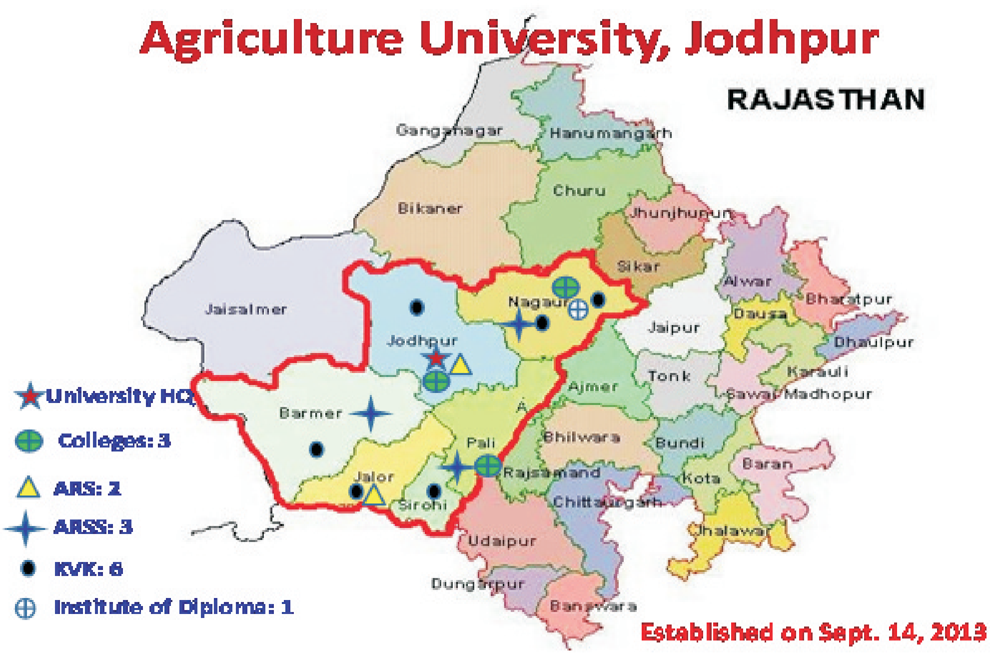

जारी हैं। मुख्य फसलों के अतिरिक्त निर्यात योग्य फसलें या उससे प्राप्त उत्पाद जैसे– जीरा, अरण्डी, मसालें एवं औषधीय महत्त्व वाली फसल इसबगोल पर अनुसंधान हेतु विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। उद्यानिकी फसलों जैसे – प्याज, लहसुन, गाजर, आलू पर भी अनुसंधान प्रारंभिक स्तर पर शुरू किया जा चुका हैं।

नवीनतम कृषि तकनीकों के प्रचार–प्रसार तथा आवश्यक आंशिक संशोधन हेतु विश्वविद्यालय के कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीनस्थ छः कृषि विज्ञान केन्द्र (मौलासर – नागौर, अठियासन – नागौर, फलौदी – जोधपुर, केशवाना – जालोर, गुड़ामालानी – बाड़मेर एवं सिरोही) इन क्षेत्रों के किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा समस्याओं का निराकरण व नवीन तकनीकों की जानकारी करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत् हैं।

विश्वविद्यालय में तीन कृषि महाविद्यालय (मण्डोर – जोधपुर, सुमेरपुर – पाली तथा नागौर) संचालित किये जा रहे हैं। वर्तमान में सुमेरपुर – पाली तथा नागौर के महाविद्यालयों में स्नात्तक स्तर तक का शिक्षण कार्य किया जा रहा हैं तथा कृषि महाविद्यालय मण्डोर – जोधपुर में स्नात्तक तथा स्नातकोत्तर शिक्षण कार्य किया जा रहा हैं।

विश्वविद्यालय की लगभग संपूर्ण गतिविधियों हेतु बजट राज्य सरकार की योजना, गैर – योजना, क्षेत्रीय, नार्प तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। यह विश्वविद्यालय अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की प्रगति हेतु अनुसंधान, कृषि प्रसार तथा कृषि शिक्षा जैसे विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं के अनुसार सतत् प्रयासरत हैं।

1.1 विश्वविद्यालय के उद्देश्यः

(क) अध्ययन की भिन्न–भिन्न विधाओं में, विशिष्टतः कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन में शिक्षा प्रदान करने के लिए उपबंध करना।

(ख) विशिष्टतः कृषि एवं अन्य सहबद्ध विज्ञानों मे शिक्षा का अभिवर्धन और अनुसंधान का संचालन करना।

(ग) ऐसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकियों की विस्तार शिक्षा को बढ़ावा देना, जिससे राज्य की ग्रामीण जनता को लाभ और मिले।

(घ) ऐसे अन्य उद्देश्य जिन्हें विश्वविद्यालय समय समय पर अवधारित करे।

संगठनात्मक ढाँचा

कुलपति

- कुलसचिव, सचिव प्रबन्ध मण्डल
- वित्त नियंत्रक, सचिव वित्त समिति
- भू-सम्पति अधिकारी
- निदेशक
  - अनुसंधान
  - प्रसार शिक्षा
  - प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
  - मानव संसाधन विकास
  - शिक्षा
  - छात्र कल्याण
- परीक्षा नियंत्रक
- अधिष्ठाता
  - कृषि महाविद्यालय- मण्डोर, जोधपुर
  - कृषि महाविद्यालय- सुमेरपुर, पाली
  - कृषि महाविद्यालय- नागौर (कृषि डिप्लोमा संस्थान)

संस्थागत ढाँचा

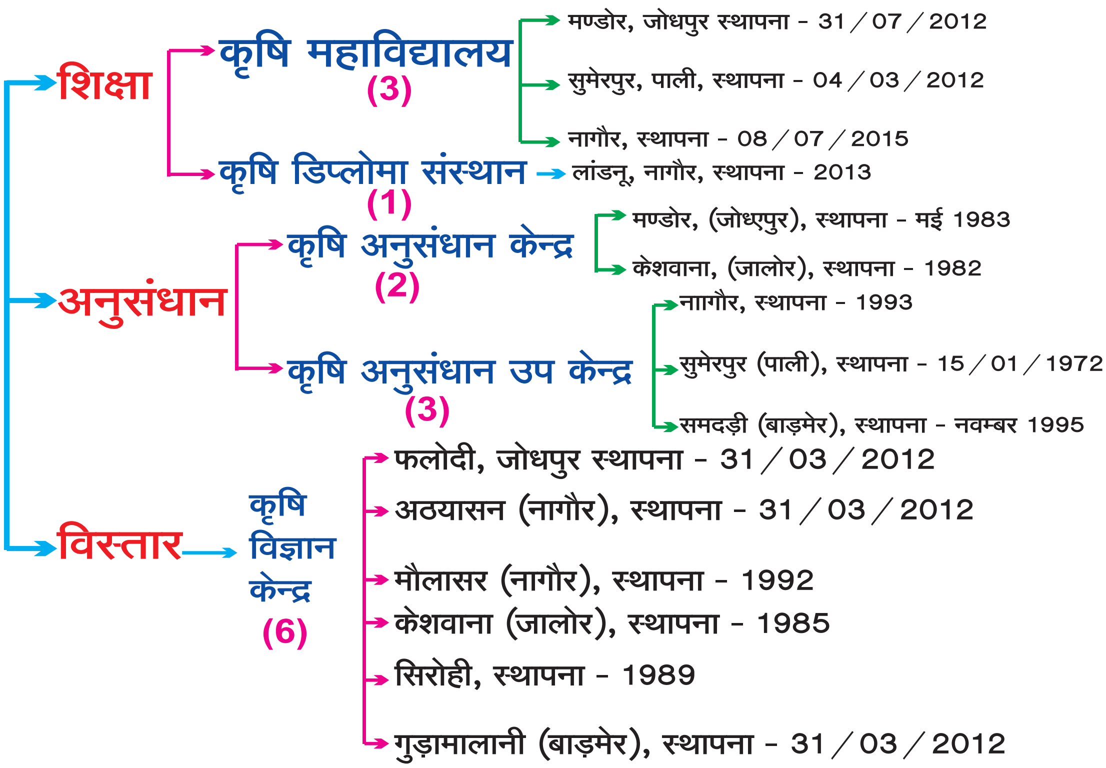

1.3 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण

राज्य योजना, गैर योजना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संचालित परियोजनाऐं एवं विभवविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों के पदों का विवरण निम्न प्रकार हैं:–

1.3.1 कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रशासनिक पदों का विवरण (राज्य योजना)

पदनाम	योग		
	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
कुलपति	1	1	–
कुलसचिव	1	1	–
वित नियंत्रक	1	–	1
अधिष्ठाता/निदेशक	5	3	2
भू–सम्पति अधिकारी	1	1	–
योग	9	6	3

1.3.2 शैक्षणिक पदों का विवरण

पदनाम	आईसीएआर अनु परियोजना, पी.सी. ईकाई तथा कृषि विज्ञान केन्द्र	राज्य योजना	गैर योजना	योग		
				स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
आचार्य	1	3	3	7	1	6
सह–आचार्य /वरिष्ठ वैज्ञानिक	12	6	17	35	1	34
सहायक आचार्य	18	35	32	85	28	57
विषय वस्तु विशेषज्ञ	30	.	.	30	.	30

1.3.3 तकनीकी एवं अशैक्षणिक पदों का परियोजनात्मक विवरण

नाम पद	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
आईसीएआर अनु. परियोजना, पी.सी. ईकाई तथा कृषि विज्ञान केन्द्र	88	40	48
राज्य योजना	93	18	75
गैर योजना	48	32	16

विश्वश्वविद्यालय में कुल 395 पद स्वीकृत हैं जिनमें से वर्तमान में 125 पद नियुक्त हैं तथा शेष 270 पद रिक्त हैं।

1.4 प्रमुख विभागीय कार्य तथा वर्ष में प्रत्येक कार्य के समदर्श प्रगतिः

विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों में से प्रबंध मंडल, अकादमिक परिषद् तथा वित्त समिति की विभिन्न बैठकों में लिये गये महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नानुसार हैंः–

1.4.1 प्रबंध मंडल

1.4.1.1 प्रबंध मंडल की तृतीय बैठक

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रबंध मण्डल की तृतीय बैठक दिनांक 19.06.2017 को आयोजित की गई। सर्वप्रथम बैठक के प्रारंभ में प्रबंध मंडल के पदेन अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ बलराज सिंह ने प्रबंध मंडल के समस्त सदस्यों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय में किये जा रहे विभिन्न विकास कार्यो के बारे में अवगत कराया। तद्उपरांत बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की गई तथा निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए–

- द्वितीय प्रबंध मंडल बैठक की कार्यवाही विवरण का यथावत अनुमोदन किया गया।
- पैतृक विश्वविद्यालयों (एस. के. आर. एयू, बीकानेर एवं एम. पी. यू. ए. टी., उदयपुर) से स्थानान्तरित पदों के बारे में विस्तृत चर्चा के बाद इनका प्रबंध मंडल द्वारा यथावत अनुमोदन किया गया।
- चतुर्थ अकादमिक परिषद की बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की किस्मों एवं तकनीकों के व्यवसायीकरण हेतु प्रस्तावित प्रारूप का यथावत अनुमोदन किया गया।
- राज्य सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में पेंशन कोष के गठन के प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई तथा यह एजेण्डा आगामी बैठकों के लिए लम्बित रखने का निर्णय लिया गया।
- माननीय सर्वोच्च न्यायलय द्वारा वाद संख्या 29675/2014 के अंतर्गत आशुलिपिक (स्टेनोग्राफर) पदों के वेतनमान में संशोधन हेतु प्रसारित किये गये आदेश की अनुपालना में प्रस्ताव राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु प्रेषित किए जाने पर सहमति हुई।
- श्री अर्जुनराम, सेवानिवृत्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन–नागौर के अवकाश स्वीकृती के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- द्वितीय प्रबंध मंडल की बैठक दिनांक 20.10.2016 के उपरांत कुलपति सचिवालय एवं प्रशासनिक कार्यालय द्वारा जारी आदेशों का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के चिकित्सा उपचार हेतु राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित अस्तपालों के अनुमोदन हेतु चर्चा की गई तथा उन्हें यथावत अपनाने का निर्णय लिया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में कार्यरत सहायक प्राध्यापकों के उनके द्वारा पूर्व में अन्य संस्थाओं में कार्य अनुभव को सी.ए.एस. हेतु सम्मिलित करने हेतु चर्चा के बाद कमेटी के गठन का अनुमोदन किया गया।
- शैक्षणिक पदों की सीधी भर्ती हेतु तैयार रोस्टर का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वित्तीय वर्ष 2017–18 के शुरूवाती तीन महीनें के लिए व्यय स्वीकृति के अनुमोदन हेतु स्वीकृति प्रदान की गई।
- प्रबंध मंडल के सदस्यों द्वारा रखे कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए।

1.4.1.2 प्रबंध मंडल की चतुर्थ बैठक

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रबंध मण्डल की चतुर्थ बैठक दिनांक 26.12.2017 को सभागार, कुलपति सचिवाल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह द्वारा की गई। बैठक में निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिये गये :–

- तृतीय प्रबंध मण्डल की बैठक के कार्यवाही विवरण का सर्वसम्मति से अनुमोदन इस टिप्पणी के साथ किया गया कि इसमें Action Taken किस स्तर पर लिया जायेगा।
- अकादमिक परिषद् की पंचम बैठक की कार्यवाही विवरण के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- वित्त समिति की बैठक की कार्यवाही विवरण के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.13(53)का. /क–1/गो.प्र/2017 दिनांक 14.06.2017 राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम 1996 के नियम 53 (1) के तहत् अनिवार्य सेवानिवृत्ति आदेश को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में लागू करवाने के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- डॉ. एन. के. वाजपेयी, प्रोफेसर (कीट विज्ञान) जो कि स्पमद पर कृषि विश्वविद्यालय, बांदा, उत्तर प्रदेश में कार्यरत है इनका Lien Period बढाने के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के योग्य वैज्ञानिकों को पदोन्नत करने हेतु CAS के अंतर्गत कार्यवाही करने की अनुमति के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के मुख्यालय निर्माण का कार्य कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर–जोधपुर पर RSRDC द्वारा करवाने के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अशैक्षणिक पदों की भर्ती के लिये बनाये गये रोस्टर, विज्ञप्ति तथा योग्यताओं के निर्धारण के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के समस्त आर.एफ. का लेखा जोखा निदेशक अनुसंधान स्तर पर किये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रशासनिक कार्यालय द्वारा जारी आदेशों का अवलोकन।
- विशेष एजेण्डा के तहत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की विभिन्न बैठकों यथा प्रबंध मंण्डल, अकादमिक परिषद, वित्त समिति, अनुसंधान परिषद, प्रसार शिक्षा परिषद एवं चयन समिति की बैठकों में भाग लेने वाले बाहरी सदस्यों के मानदेय को रू 1000 से बढाकर रू 2000 करने की सहमति व्यक्त की।
- अन्य विशेष एजेण्डा में राजभवन, जयपुर के आदेश क्रमांक 2770 दिनांक 13 अप्रैल, 2016 के अनुसार विश्वविद्यालयों में दीक्षान्त समारोह के दौरान पहने जाने वाले ड्रेस कोड को अपनाये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन।

1.4.2 अकादमिक परिषद एवं अध्ययन मण्डल

1.4.2.1 अकादमिक परिषद

डॉ. बी. एस. राजपुरोहित, निदेशक शिक्षा व पदेन सचिव ने अकादमिक परिषद की चौथी (15.6.2017) एवं पंचम (16.12. 2017) बैठकों में अकादमिक परिषद के अध्यक्ष माननीय कुलपति डॉ बलराज सिंह और अन्य सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्ष ने अपनी टिप्पणी में वर्ष 2017 में विश्वविद्यालय में शिक्षा, अनुसंधान व प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में की गई प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया तथा बुनियादी ढांचा विकास, बीज उत्पादन, बाह्य वित पोषण परियोजनाओं एवं अन्य गतिविधियों के बारे में सदस्यों को अवगत कराया।

उक्त बैठको में चर्चा के बाद निम्नलिखित कार्यसूची मदों पर विचार कर स्वीकृति प्रदान की गयी:

- शैक्षणिक पदों (आचार्य/सह–आचार्य/सहायक आचार्य), विषय वस्तु विशेषज्ञ (एस.एम.एस.) और पुस्तकालय सहायक के लिए विज्ञापन सं 1/2017, 2/2017 और 3/2017 दिनांक 22/6/2017 हेतु संशोधित शैक्षणिक योग्यता व स्कोर कार्ड को मंजूरी दी गई।
- विश्वविद्यालय में आई.सी.ए.आर की पंचम अधिष्ठाता समिति की अनुशंषाओं के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2017–18 से अपनाने पर सहमत हुए। पाठ्यक्रम एवं नियमों आदि के क्रियान्वयन कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर आवश्यकतानुसार करेगा।
- कृषि महाविद्यालय, नागौर में 13 शैक्षणिक पदों के विषयवार विभाजन की स्वीकृति दी गई।

- विश्वविद्याालय का कुल गीत व विश्वविद्याालय ध्वज दोनों की स्वीकृति दी गई।
- कृषि महाविद्यालय, नागौर का पुनः नामकरण वीर तेजाजी कृषि महाविद्यालय, नागौर करने का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में कार्यरत शिक्षकों द्वारा राजस्थान के अन्य कृषि विश्वविद्यालयों में पीएचडी में प्रवेश के लिए एमओयु (MoU) के प्रारूप को मंजूरी दी गई।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में विभिन्न परिषदों जैसे अकादमिक परिषद, अनुसंधान परिषद, प्रसार शिक्षा परिषद और बोर्ड ऑफ स्ट्डीज के सदस्यों द्वारा बैठकों में भाग लेने के लिए मानदेय 1000/– प्रति बैठक के अनुसार से देने का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर विभिन्न परिषदों जैसे शैक्षणिक परिषद, अनुसंधान परिषद, प्रसार शिक्षा परिषद और बोर्ड ऑफ स्ट्डीज के सदस्यों द्वारा बैठकों में भाग लेने के लिए, विशेषज्ञ तथा परीक्षक हेतु कृषि विश्वविद्यालय के अतिथिग्रह में निशुल्क प्रवास देने का अनुमोदन किया गया।
- शैक्षणिक पदों के लिए प्राप्त आवेदनों के जांच के दौरान पाई गई विभिन्न बिन्दुओं के स्पष्टीकरणों के आवेदनों का अंतिम जांच प्रक्रिया हेतु पूर्णतः अनुमोदन किया गया।
- टीए/डीए का भुगतान विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार अंतिम व्यावहारिक परीक्षा के समय, एयू/ अन्य विभागों के अन्य बाहरी इकाइयों से बुलाए गए मुख्यालय में आंतरिक परीक्षार्थी की अनुलब्धता के मामले में। ऐसे अभ्यार्थी के लिए विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार इसे स्वीकृति देने का संकल्प लिया गया था।
- प्रायोगिक परीक्षाओं हेतु मुख्यालय पर आमंत्रित किये जाने वाले परीक्षकों को विश्वविद्यालय के नियमानुसार मानदेय देने की स्वीकृती प्रदान की गई।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों हेतु विषय वस्तु विशेषज्ञ (एस.एम.एस) के चयन हेतु राजस्थान यूनिवर्सिटी टीचर्स (अधिकारी नियुक्ति) अधिनियम संख्या 18 वर्ष 1974 के अनुसार चयन समिति द्वारा उनके चयन करने के लिए स्वीकृति प्रदान की गई।
- सहायक आचार्य एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ पदों के लिए विज्ञापन पश्चात यदि आवेदकों की ज्यादा संख्या हो तो उनकी स्क्रीनिंग परीक्षा का आयोजित करने की स्वीकृती प्रदान की गई।
- कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर की स्थापना (2013) के पूर्व शिक्षकों के एपीएआर पैत्रिक विश्वविद्यालय से उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी एपीएआर इस विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित कर सी.ए.एस. (CAS) हेतु उपलब्ध करने के लिए अनुमोदित किया गया।
- द्वितीय वर्ष में प्रवेश पाने वाले कृषि डिप्लोमाधारी विद्यार्थियों हेतु BIOCHEM-111 एवं MATHS-111 दोनों विषयों के अध्ययन की अनिवार्यता की स्वीकृति प्रदान की गई।

1.4.2.2 अध्ययन मण्डल

डॉ. एस.डी. रतनु, संकाय अध्यक्ष की अध्यक्षता में दिनांक 21.8.2017 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधपुर में बैठक आयोजित की गयी। प्रारम्भ में डॉ. एस.डी. रतनु, अध्यक्ष अध्ययन मण्डल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया तदुपरान्त डा. रतनु ने अकादमिक परिषद के निर्णयानुसार पांचवी अधिष्ठाता समिति, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पाठ्यक्रम में कुछ बदलाव के साथ प्रस्तुत किया, जिसे अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित किया।

1.4.3 वित्त समिति की बैठक

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की वित्त समिति की बैठक दिनांक 21.12.2017 को आयोजित की गई। बैठक में संशोधित बजट एवं व्यय वित्त वर्ष 2017–18 पर विचार विमर्श किया गया।

वित्तीय लेखा

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के अधीन शिक्षा, प्रसार शिक्षा एवं अनुसंधान से सम्बन्धित संस्थाओं के लिये वित्त वर्ष 2017–18 के परियोजनावार एवं संस्थावार बजट प्रावधान एवं दिसम्बर 2017 तक हुए व्यय का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैं:–

क्र. सं.	संस्था का नाम	बजट प्रावधान एवं दिसम्बर 2017 तक व्यय (रूपये लाखों में)	
		बजट प्रावधान	दिसम्बर 2017 तक व्यय
1.	2.	1.	2.
(1). गैर राज्य आयोजना			
1.	नार्प, मंडोर	480.00	42.51
2.	मंडोर रीजनल, बाजरा, मोठ, किसान घर, समदड़ी		179.54
3.	कुल (1–2) (कृषि अनुसंधान केन्द्र मण्डोर)		222.05
4.	7–टी–नार्प, सुमेरपुर		32.72
5.	7–रीजनल, सुमेरपुर		20.18
6.	कुल (4–5) (कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र सुमेरपुर)		59.90
7.	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, नागौर		17.59
8.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, जालोर		40.07
	कुल गैर आयोजना व्यय		**332.61**

(2). राज्य आयोजना

क्र. सं.	मद संस्था का नाम	बजट प्रावधान एवं दिसम्बर 2017 तक व्यय (रूपये लाखों में)	
		बजट प्रावधान अनुमान 2017–18	दिसम्बर 2017 तक व्यय
1.	प्रशासनिक भवन कृषि वि.वि. जोधपुर	**1900.61**	191.04
2.	कृषि महाविद्यालय, मंडोर		105.50
3.	कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर		76.20
4.	कृषि महाविद्यालय, नागौर		11.96
	कुल व्यय (1 से 4 तक)		**384.70**
5.	राज्य कृषि विकास योजना	915.03	763.56
	कुल व्यय (3 से 4 तक)		**1148.26**

(3). ए.आई.सी.आर..पी. प्रोजेक्ट (75 : 25)

क्र. सं.	मद संस्था का नाम	बजट प्रावधान एवं दिसम्बर 2017 तक व्यय (रूपये लाखों में)	
		बजट प्रावधान अनुमान 2017–18	दिसम्बर 2017 तक व्यय
1.	अरण्डी (Castor) मंडोर	41.44	18.19
2.	संभावित फसलें (UUC) मंडोर	4.80	8.70
3.	तिल (sesame) मंडोर	101.50	59.90
4.	मसाला (spice) मंडोर	1.50	0.10
	कुल अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाऐं	**149.24**	**86.89**

(4). आई.सी.ए.आर. 100 प्र.श. योजनाएं

क्र. सं.	मद संस्था का नाम	बजट प्रावधान एवं दिसम्बर 2017 तक व्यय (रूपये लाखों में)	
		बजट प्रावधान अनुमान 2017–18	दिसम्बर 2017 तक व्यय
1.	**पी.सी. यूनिट बाजरा**	**285.63**	**143.11**
2.	**कृषि विज्ञान केन्द्र**		
	कृषि विज्ञान केन्द्र, जालोर	76.20	26.60
	कृषि विज्ञान केन्द्र, नागौर	90.30	36.74
	कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर	60.90	12.13
	कृषि विज्ञान केन्द्र, फलौदी	39.30	9.56
	कृषि विज्ञान केन्द्र, गुढ़ामालानी	51.30	6.88
	कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही	39.80	9.64
	कृषि प्रसार निदेशालय	3.25	5.15
	कुल कृषि विज्ञान केन्द्र एव प्रसार निदेशालय	**361.05**	**116.70**
	कुल आई.सी.ए.आर. परियोजनाएं	**646.68**	**259.81**

(5). अन्य परियोजनाएं

क्र. सं.	मद संस्था का नाम	बजट प्रावधान एवं दिसम्बर 2017 तक व्यय (रूपये लाखों में)	
		बजट प्रावधान अनुमान 2017–18	दिसम्बर 2017 तक व्यय
1.	एम आई डी एच 7–सी एक ए–1 मण्डोर	20.40	0.22
2.	मुलार्प	0.60	0.60
3.	आत्मा परियोजना केवीके फलौदी	0.24	0.24
4.	FFP -KVKs	73.16	26.84
5.	रूरल डवलपमेन्ट पंचायती राज (एम्पावर)	–	1.66
6.	डेमोस्ट्रेशन यूनिट ऑफ क्लाइमेट (RISF under NMS) केवीके नागौर	1.75	0.00
7.	Seed Hub Nagaur	140.0	0.00
	कुल अन्य परियोजनाएं (Total Other Projects)	**236.15**	**29.56**
	पेन्शन फण्ड	0.00	0.00
	वि. वि. आय से अर्जित व्यय (University Dev. Fund)	–	0.84
	कुल अन्य परियोजनाएं	**236.15**	**30.04**

1.4.4 अनुसंधान परिषद्

विश्वविद्यालय की अनुसंधान परिषद् की द्वितीय बैठक का आयोजन कुलपति सचिवालय में दिनांक 30.08.2017 को किया गया। अनुसंधान परिषद् के सदस्य सचिव डॉ. बी. आर. चौधरी, निदेशक अनुसंधान द्वारा द्वितीय बैठक से लेकर दिनांक 30 अगस्त 2017 तक के अनुसंधान निदेशालय की गतिविधियों की जानकारी इस बैठक में प्रदान की गई एवं अनुसंधान निदेशालय द्वारा तैयार विभिन्न परियोजना प्रस्तावों के प्रेषण सम्बन्धित जानकारी देकर परिषद् से सहमति प्राप्त की गई।

तद्उपरान्त बीजोत्पादन कार्यक्रम के अर्न्तगत कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर व वेलनेक्स्ट सीड्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के मध्य बाजरे की संकर किस्म एम. पी. एम. एच. 17 के उत्पादन पर नॉन एक्सक्लुसिव एम. ओ. यु. (MoU) किया गया। फाईटोसेनेट्री प्रयोगशाला में की जाने वाली जांचों की फीस दरों को निर्धारित किया गया।

1.4.5 प्रसार शिक्षा परिषद्

प्रसार शिक्षा परिषद् की द्वितीय बैठक दिनांक 30.08. 2017 को आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति डॉ बलराज सिंह द्वारा की गई। इस बैठक में प्रसार शिक्षा परिषद् की प्रथम बैठक में लिये गये निर्णयों की पुष्टि की जाकर इन निर्णयों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई तथा जो महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गये, वे अधोलिखित हैः–

- बैठक में निर्धारित एजेण्डा के तहत् सदस्य सचिव, प्रसार शिक्षा निदेशक द्वारा प्रसार शिक्षा निदेशालय तथा इसके क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं प्रसार शिक्षा निदेशालय की वार्षिक रिपोर्ट 2016–17 प्रस्तुत की गई।
- बैठक में डॉ. पी. एन. कल्ला, पूर्व प्रसार निदेशक, एस.के. आर.ए.यू बीकानेर द्वारा सुझाव दिया गया कि निदेशक प्रसार शिक्षा के लिए एक वाहन रिवॉल्विंग फण्ड से खरीदा जायें, जिसकी स्वीकृती प्रसार शिक्षा परिषद् ने ध्वनिमत से दी।
- डॉ. जी. एन. माथुर, पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, अजमेर द्वारा कृषि विश्वविद्यालय में स्टॉफ की कमी की तरफ ध्यान आकर्षित करते हुए जल्द ही चयन प्रक्रिया शुरू करने का तथा अजोला आहार को दुधारू पशुओं हेतु प्रचलित किये जाने का सुझाव दिया।
- डॉ. आर. एस. शेखावत, मुख्य वन संरक्षक, जोधपुर ने प्रचूर क्रूड प्रोटीन युक्त सेवण घास को किसानों के खेतों पर लगवाने हेतु जोर दिया।
- डॉ. देवेन्द्र अमरावत, उप–कुलसचिव सहकारिता ने वर्षा जल संरक्षण एवं उचित इस्तेमाल को किसानों के बीच प्रचलित करने पर जोर दिया।
- प्रगतिशील किसान श्री शैलेन्द्र सारण एवं श्री मोहनराम सारण दईकड़ा ने बाजरा की नई प्रचलित किस्म एम.पी. एम.एच. 17 का अधिकाधिक बीज उत्पादन करने पर जोर दिया तथा श्री चन्द्रशेखर डागा ने बाजरा बीज उत्पादन में पक्षियों की समस्याओं का उचित निदान पता करने के लिए वैज्ञानिकों का आह्वान किया।

अंत में डॉ. एस. आर. कुमावत, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, नागौर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

1.4.6 अन्य प्रमुख कार्य एवं उपलब्धियाँ :–

- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीनस्थ नवस्थापित कृषि महाविद्यालय, नागौर के भवन निर्माण का कार्य आर.एस.आर.डी.सी लि. द्वारा किया जा रहा है तथा इस वर्ष मार्च 2018 तक पूर्ण होने की संभावना है।
- यह नवनिर्मित भवन आधुनिक तकनीक का पूरे राज्य में एक उदाहरण है इस भवन में सौर उर्जा तथा वर्षापुर्नभरण तकनीक का बखूबी इस्तेमाल किया गया है।
- कृषि महाविद्यालय, सुमेरपूर तथा कृषि महाविद्यालय, मंडोर के भवन के द्वितीय चरण के निर्माण एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के निर्माण हेतु प्रस्ताव राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु प्रेषित किये गये है।
- महाविद्यालयों में प्रयोगशाला, पुस्तकालय और कम्प्यूटर लैब की स्थापना, विद्यार्थियों के अध्यापन हेतु बेहतरीन कक्षा कमरों की स्थापना की करना इत्यादि अन्य मुख्य कार्य रहे।
- वर्ष 2017–18 में विश्वविद्यालय ने द्वितीय अनुसंधान परिषद की बैठक, द्वितीय प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक, चतुर्थ एवं पंचम अकादमिक परिषद बैठक, तृतीय एवं चतुर्थ प्रबंध मंडल की बैठक आयोजित कर वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के चयन हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण फैसलें लेकर मापदण्ड निर्धारित किये गये है।

1.4.7 गोदित गांव :–

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के निर्देशानुसार एक गांव गोद लेकर उसे स्मार्ट गॉव में परिवर्तित करने हेतु कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा गांव – नेवरा, तहसील–औसियां, जोधपुर का चयन किया गया। विगत वर्ष में ग्रॅाम नेवरा में विश्वविद्यालय द्वारा किये गये मुख्य कार्यों का विवरण निम्नानुसार हैं:–

- प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा गोदित गांव (नेवरा रोड) के उच्च माध्यमिक विद्यालय में दिनांक 4 अगस्त, 2017 को स्मार्ट बोर्ड की स्थापना की गई। इस स्मार्ट बोर्ड का शुभारंभ गांव के सरपंच श्री देदाराम एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह द्वारा किया गया। स्मार्ट बोर्ड मुम्बई स्थित एन.जी.ओ. (आई.आई.एफ.एल. फॉउण्डेशन, मुम्बई) द्वारा मुफ्त में भेंट किया गया।

- आदर्श गोदित गांव नेवरा रोड़, जोधपुर में अरण्डी, चना, जीरा, सरसों, मूंग, बाजरा की फसलों की अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाये गये।
- गांव में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सफाई अभियान का आयोजन किया गया।
- गोद लिये गये गांव नेवरा को स्मार्ट बनाने हेतु वैज्ञानिकों/अधिकारियों की गठित एक समिति द्वारा देखरेख की जा रही हैं।

1.4.8 नवीन योजनाऐं/नीतियाँ/नवाचार :

- दलहन बीज उत्पादन हेतु कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को दो बीज उत्पादन केन्द्रों (सीड हब) का आवंटन किया गया हैं जिसके लिये 3.00 करोड रू की धनराशि मंजूर की गई है।
- International Bioversity Project (GEF) के अंतर्गत जैव विविधता के संरक्षण, नई तकनीकों एवं किस्मों पर परियोजना स्वीकृत की गई है।
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को अगले पांच

वर्षो के लिये लगभग 35 करोड रू एवं कृषक प्रथम परियोजना के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा रू 99.00 लाख स्वीकृत हुए है।

- पाली जिले में एक अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्र प्रारभ्म करने हेतु स्वीकृती प्रक्रियाधीन है।
- विश्वविद्यालय द्वारा संकर बाजरे का – बीज उत्पादन कार्यक्रम जायद 2017 (फरवरी–जून) में सफलतापूर्वक किया गया । इस बीज द्वारा किसानों के खेतों पर उगाई गई फसल के परिणाम अन्य किस्मों के मुकाबले बहुत ही प्रभावशाली व उत्साहवर्द्धक रहे है। इस प्रायोगिक कार्यक्रम में संकर बाजरे का लगभग 106 क्विंटल बीज प्राप्त किया गया।
- इस वर्ष अन्य फसलों जैसे मूंग, मोठ, ग्वार, गेहूँ, राया, चना, जीरा, धनिया, मैथी, ईसबगोल एवं मिर्च का 1686 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया।
- विश्वविद्यालय में कुलपति समन्वय समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों तथा राजभवन सचिवालय द्वारा प्रदत्त निर्देशों की अनुपालना की जा रही हैं। जिसके तहत् शिक्षा की गुणवत्ता को लागू करना, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण में सुधार करना, मार्किंग सिस्टम लागू करना तथा विद्यार्थियों की कक्षाओं में 75 प्रतिशत उपस्थिति की अनिवार्यता सुनिश्चित करना प्रमुख कदम हैं।

2. अनुसन्धान निदेशालय

2.1 संस्थागत ढांचा

कृषि अनुसंधान निदेशालय का मुख्य कार्य प्रयोगों की योजना, समन्वय, निगरानी एवं आवश्यकता जनित कृषि उत्पादन प्रौद्योगिकी का विकास करना हैं। इस हेतु कृषि जलवायु खण्ड की कृषि आवश्यकताओं के अनुसार शोध कार्य किये जा रहे हैं।

2.2 कार्यक्षेत्र व प्रमुख कार्यः

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के क्षेत्राधिकार में 6 जिले आते हैं। जिसमें कृषि जलवावीय खण्ड 1 अ (शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र) में बाड़मेर व जोधपुर जिले, खण्ड 2 ब (लूणी नदी का अंर्तवर्ती मैदानी क्षेत्र) में पाली, सिरोही व जालोर जिले तथा खण्ड 2 अ (अंर्तक्षेत्रीय जलोत्सारण के अर्न्तवर्ती मैदान क्षेत्र) में नागौर जिला शामिल हैं। निदेशालय के प्रत्येक केन्द्र एवं उप केन्द्र के लिए उस क्षेत्र की कृषि परिस्थितियों के मध्यनजर में रखते हुए नेतृत्व उत्तरदायित्व एवं सत्यापीकरण उत्तरदायित्व निर्धारित हैं।

2.3 अनुसंधान निदेशालय के प्राथमिक कार्यक्षेत्र इस प्रकार है–

- प्रमुख खरीफ एवं रबी फसलों की उपयुक्त किस्मों की पहचान, विकास व उन्नत उत्पादन तकनीक विकसित करना।
- विभिन्न फसलों के लिए ड्रिप व फव्वारा सिंचाई प्रणाली का स्वचलनीकरण।
- विशेष रूप से सब्जियों, मसालों एवं औषधीय फसलों में जैविक कृषि तकनीक विकसित करना।
- बागवानी फसलों के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास करना।
- कृषि जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन हेतु प्रयास करना।
- नमी संरक्षण, खरपतवार नियंत्रण व कटाई क्रियाओं का मशीनीकरण कर लागत कम करना।

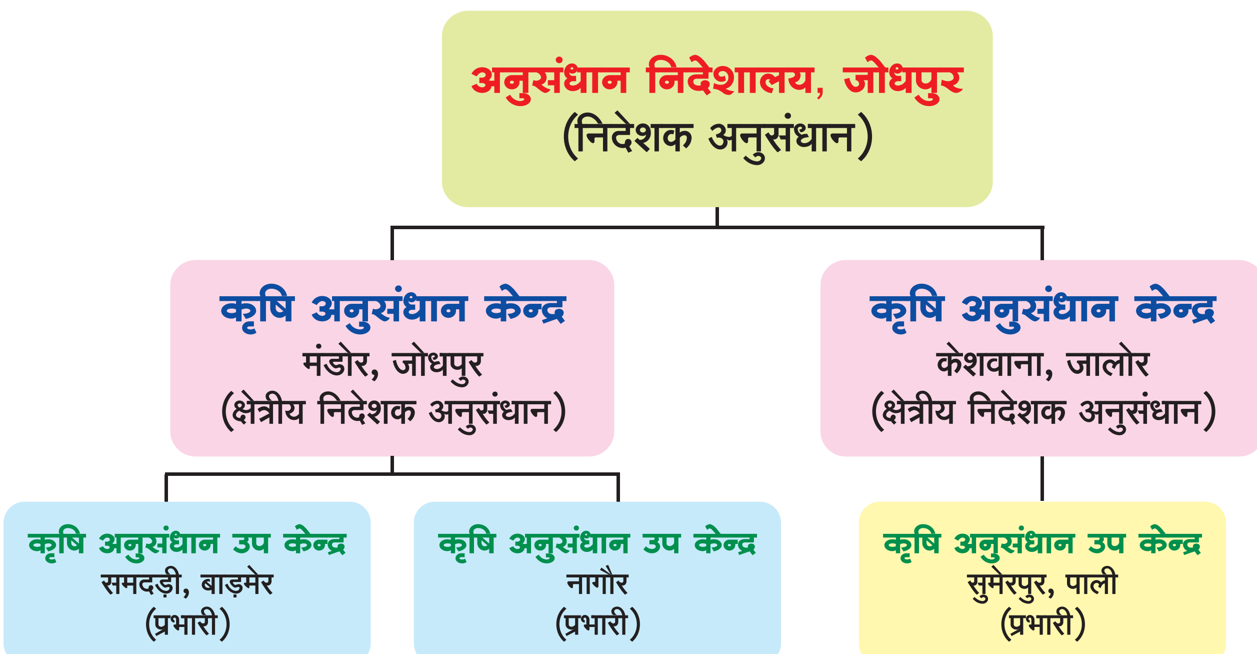

2.4 प्रमुख उपलब्धियाँ:

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड. आर.ई.ऐ.सी.), आवश्यकता आधारित अनुसंधान कार्यक्रमों की योजना बनाने और उत्पादन सिफारिशों को अंतिम रूप देने के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करती है। जेड.आर.ई. ऐ.सी. द्वारा राज्य के कृषि जलवायु खंड 1 अ व 2 ब के पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज हेतु सिफारिश की गई प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नलिखित है:–

खरीफ 2017

1. निम्नलिखित किस्मों को पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज में शामिल करने के लिए सिफारिश की गई–

- मूंगफली – आर.जी. 510
- भिण्डी – अपराजिता, शक्ति
- लौकी – यू.एस.एम. श्रवण, पूसा नवीन

2. तिल में कीटों (पत्ती मोड़क एवं गॉल छेदक, तेला, सफेद मक्खी, पर्णजीवी व गॉल मक्खी) की रोकथाम हेतु इमिडाक्लोप्रिड 600 एफ.एस. का 5 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार तथा तिल को मूंग के साथ अंतराशस्यन (3:3) में लगाने व पीले पाश का प्रयोग तथा प्रोफेनोफॉस 0.1 प्रतिशत बुवाई के 30 दिनों बाद छिड़काव प्रभावी पाया गया है।
3. ग्वार में रस चूसक कीटों के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 150 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव प्रभावी पाया गया है। (खण्ड द्वितीय–ब)
4. मूँग में रस चूसक कीटों के नियंत्रण हेतु एसीटामिप्रिड 20 प्रतिशत एस.पी. 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव प्रभावी पाया गया है। (खण्ड द्वितीय–ब)

रबी 2017–18

1. निम्नलिखित किस्मों को पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज में शामिल किया गया–

- सौंफ – आर. एफ. 157
- लहसुन – यमुना सफेद 3, यमुना सफेद 9, भीमा परपल
- मेथी – आर. एम. टी. 143, ए. एफ. जी. 3

2. नागौरी मेथी के लिये 75 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर बीज दर व नत्रजन 30 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना प्रभावी पाया गया।

कीट अवरोधी नेट हाऊस

वर्ष भर ककड़ी वर्गीय सब्जी उत्पादन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा कीट अवरोधी नेट हाऊस तकनीक विकसित की गई। वर्ष 2017–18 के दौरान बीज रहित खीरे की 8 उन्नत किस्मों का कीट अवरोधी नेट हाउस में प्रारम्भिक परीक्षण किया गया। अन्तिम परिणाम के पश्चात उपयुक्त किस्मों की सिफ़ारिश की जा सकेगी।

खीरे की उन्नत किस्मों का प्रारम्भिक परीक्षण

असालिया व धनियाँ की उन्नत किस्मों का प्रारम्भिक परीक्षण किया गया। परिणामस्वरूप धनिया की 8 किस्मों में से RCr 435 का प्रदर्शन संतोषजनक पाया गया। असालिया के 8 जिनोटाइप में से SPS 6 का प्रदर्शन अच्छा रहा। अन्तिम परिणाम उपरान्त इन फसलों की उपयुक्त किस्मों की सिफारिशें की जा सकेगी।

इसबगोल फसल परीक्षण

असालिया फसल परीक्षण

सौंफ फसल परीक्षण

धनियाँ फसल परीक्षण

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

सरसों के 100 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के जरिये सरसों अनुसंधान निदेशालय भरतपुर द्वारा स्वीकृत रूपये 2.16 लाख की परियोजना Assessment of Transfer of Improved Production Technology of Rapeseed-Mustard in Juridiction of AU, Jodhpur of Rajasthan Through Frontline Demonstration (FLDs) के अर्न्तगत किसानों को दिये गये।

2.5 मसालों पर सी.एस.एस. परियोजना

सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) कालीकट्, केरल द्वारा पूर्णतः वित्त पौषित योजना, जो कि केन्द्रीय प्रायोजित योजना–मिशन फॉर इन्टीग्रेटेड होर्टीकल्वर डवल्पमेन्ट (एम.आई.बी.एच.) के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर–जोधपुर पर संचालित की जा रही है। इस योजना के उद्देश्य निम्नानुसार हैंः–

- मसालों का उन्नत बीज उत्पादन तथा वितरण।
- बीज विधायन तथा भण्डारण हेतु बुनियादी ढॉंचा विकसित करना।
- अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों द्वारा प्रौद्योगिकी का प्रचार–प्रसार।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे सेमीनार, कार्यशाला तथा किसान गोष्ठी इत्यादि का आयोजन कर उन्नत तकनीकीयों का प्रचार प्रसार करना।

उक्त उद्देश्यों के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा मसालों पर कार्य किया जा रहा हैं। जिसका प्रगति विवरण अधोलिखित हैंः–

- योजना के अंतर्गत मसालों का उच्च गुणवत्तायुक्त बीजोत्पादन विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर किया गया जिनकी मात्रा निम्नानुसार हैं–

क्र. सं.	केन्द्र	बीज उत्पादन (क्विंटल)				
		जीरा	मैथी	धनिया	सुवा	मिर्च
1.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर	50.0	12.0	–	1.0	4.0
2.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, केशवाना–जालोर	9.29	14.53	0.21	–	–
3.	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर–पाली	–	25.57	16.97 व 1.02 (AGCr-1)	–	–
4.	कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही	7.0	–	–	–	–
5.	कृषि विज्ञान केन्द्र, केशवाना–जालोर	4.05	–	–	–	–
	कुल	70.3	52.1	18.2	1.0	4.0

- अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों द्वारा मसालों की उन्नत कृषि तकनीकों का प्रचार–प्रसार करने हेतु जीरे के 25 प्रदर्शन (1.0 हैक्टेयर/प्रदर्शन) व मैथी के 40 प्रदर्शन (0.5 हैक्टेयर/प्रदर्शन) लगाये गये। किसानों को सभी आदान जैसे उन्नत बीज, उर्वरक, खरपतवारनाशी, कीटनाशी, फफूंदनाशी इत्यादि प्रदान किये गये।
- जीरे व मैथी की उन्नत फसलोत्पादन तकनीक अपनाकर उत्पादन बढ़ाने हेतु किसानों को जानकारी प्रदान की गई। इन प्रदर्शनों में जीरे की 19.8 प्रतिशत व मैथी की 15.7 प्रतिशत अधिक उत्पादकता दर्ज की गई।
- मसाला फसलों की उन्नत तकनीक का प्रचार प्रसार करने हेतु तीन कृषक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन (कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर–जोधपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र, फलौदी–जोधपुर व गाँव इन्दावड़, मेड़ता सिटी–नागौर प्रत्येक पर) किया गया। कार्यक्रमों में कुल 360 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्नत कृषि क्रियाओं की जानकारी प्राप्त की।

जीरा व मैथी के 2016–17 के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों के लिए किसानों को आदान वितरण

कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, इन्दावड़ तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, फलौदी पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागी

राष्ट्रीय सेमिनार SMAC-2017 में मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागी

- मसाला फसलों की उन्नत तकनीक का प्रचार प्रसार करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर एक सेमिनार "Research and Developmental Advances in Spices, Medicinal and Aromatic Crops Cultivation, Processing and Trade for Prosperity of Indian Farmers" (SMAC-2017) का आयोजन 1–2 फरवरी 2017 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर–जोधपुर पर किया गया। इस सेमिनार में कुल 247 डेलीगेटस् ने भाग लेकर बीजीय मसाला फसलों के अर्न्तगत विभिन्न विशयों पर प्रस्तुतीकरण दिये।

2.6 परियोजना समन्वय इकाई (बाजरा), ए.आई.सी.आर.पी. बाजरा परियोजना

अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के परियोजना समन्वयक का मुख्यालय कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर पर स्थित हैं। इस परियोजना का शत प्रतिशत बजट भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित है।

- डॉ. टी. महापात्रा, महानिदेशक ने दिनांक 13 अगस्त, 2017 को भा.कृ.अनु.प.–अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना–बाजरा, मंडोर एवं किसान प्रेक्षेत्रों का भ्रमण एवं परियोजना का अवलोकन किया।
- भा.कृ.अनु.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, मंडोर द्वारा दिनांक 19 सितम्बर, 2017 को DUS परीक्षण का प्रशिक्षण दिया गया।
- पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण की निगरानी टीम द्वारा दिनांक 20 सितम्बर, 2017 को DUS परीक्षण प्रक्षेत्रों का अवलोकन किया गया।

2.6.1 शस्य विज्ञान

- वर्ष 2017–2018 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ. एस.एम) कार्यक्रम के तहत कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 310 हैक्टेयर क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति प्रर्दशन राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश एवं तमिलनाडु राज्यों में सफलतापूर्वक लगाए गये ।
- एन.एफ.एस.एम. योजना के अंतर्गत संकर बाजरा की उन्नत किस्में एम.पी.एम.एच. 17 व आर.एच.बी. 177 के 100 प्रदर्शन जोधपुर, बाड़मेर, नागौर व पाली जिलों के किसानों के खेतों पर लगाये गये।
- अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, मंडोर द्वारा शस्य विज्ञान से संबन्धित 7 प्रयोग विभिन्न बाजरा उत्पादन करने वाले राज्यों के अनुसंधान केन्द्रो पर सफलतापूर्वक लगाये गये।

2.6.2 पादप प्रजनन

- परियोजना द्वारा विगत वर्ष में 13 किस्में महाबीज 1005 (महाराष्ट्र), पी.बी.एच. 306, एक्स.एम.टी. 1497, के.बी. एच. 3940, बायो 8145, एन.एम.एच. 82, 86 एम. 13, जे. के.बी.एच. 1100 (उत्तरप्रदेश), 86 एम. 82, जे.के.बी.एच. 1105, जे.के.बी.एच. 1008, बाजरा सी.ओ. 10 एवं एम.पी. 535 भारत सरकार द्वारा अधिसूचित की गई तथा आठ किस्में आर.एच.बी. 223, 86एम38 (जोन ए), पी.बी. 1705, 86 एम. 38(जोन बी.), एन.बी.एच. 4903, एच.एच.बी. 299, ए.एच.बी. 1200, ए.बी.वी. 04 अधिसूचना के लिए स्वीकृत की गई।
- DUS परीक्षण के अन्तर्गत 41 प्रविष्टियाँ 26 विभिन्न लक्षणों के लिए परियोजना मंडोर एवं MPKV राहुरी में लगाई गई।
- अखिल भारतीय बाजरा अनुसंधान परियोजना, मंडोर द्वारा पादप प्रजनन से संबधित 218 प्रयोग विभिन्न बाजरा उत्पादन करने वाले राज्यों के अनुसंधान केन्द्रो पर सफलता पूर्वक लगाए गये।

2.6.3 पादप व्याधि विज्ञान

- वर्ष 2017 में परियोजना द्वारा पादप व्याधि विज्ञान के प्रयोगों के तहत कुल 339 संकर किस्म/पैतृक पंक्तियों का (Parental Line) विभिन्न बाजरा उत्पादन करने वाले राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर परीक्षण किया गया।

2.6.4 पादप कार्यिकी

- वर्ष 2017 में परियोजना द्वारा पादप कार्यिकी विभाग से संबधित 6 प्रयोग विभिन्न बाजरा उत्पादन करने वाले राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर सफलता पूर्वक लगाये गये।

2.6.5 उन्नत किस्मों का विकास

- बाजरा परियोजना द्वारा एक उन्नत संकर किस्म MPMH 21 विकसित की गई है, जो राजस्थान, हरियाणा एवं गुजरात के सूखाग्रस्त क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं। यह किस्म जल्दी पकाव अवधि वाली, पकने के समय तक हरी रहने वाली तथा जोगियां एवं अन्य रोगों से प्रतिरोधक पायी गई। इसकी औसत उपज 25 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तथा सूखे चारे की उपज 48 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

2.7 क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड. आर.ई.ऐ.सी.) की बैठकें

- क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड. आर.ई.ऐ.सी.) खरीफ–2017 की बैठक दिनांक 27 व 28

फरवरी 2017 को आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि जलवायु खण्ड 1 अ (शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र) व खण्ड 2 ब (लूणी नदी का अन्तर्वर्ती मैदान क्षेत्र) में स्थित राज्य कृषि विभाग के अधिकारीयों व कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस बैठक में कुल 67 अधिकारी/वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

- क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेडआरईऐसी) रबी–2017–18 की बैठक दिनांक 28–29 अगस्त 2017 को आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि जलवायु खण्ड 1 अ (शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र) व खण्ड 2 ब (लूणी नदी का अन्तर्वर्ती मैदान क्षेत्र) में स्थित राज्य कृषि विभाग के अधिकारीयों व कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस बैठक में कुल 86 अधिकारी/वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

2.8 कार्यशाला/प्रशिक्षणों का आयोजन

- कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर–जोधपुर पर आत्मा परियोजना के अंतर्गत 10 कृषक प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें जिले के 290 प्रगतिशील किसानों के भाग लिया। इन 10 प्रशिक्षणों में दो अर्न्तराज्य प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया।

क्र.सं.	प्रशिक्षण विवरण	दिनांक	कुल प्रशिक्षणार्थी
अ.	**अर्न्तराज्य प्रशिक्षण**		
1.	समन्वित कृषि पद्धति (मंदसौर, मध्यप्रदेश)	8–12 जनवरी, 2018	20
2.	समन्वित कृषि पद्धति (सीहोर, मध्यप्रदेश)	17–21 जनवरी, 2018	30
ब.	**राज्य प्रशिक्षण**		
1.	फल उद्यानों का संस्थापन एवं प्रबन्धन	12–13 जुलाई, 2017	30
2.	वर्षाकालीन फल एवं सब्जियों का परिरक्षण	17–18 जुलाई, 2017	30
3.	वर्षा ऋतु में पशुओं की देखभाल, सामान्य बीमारियों से बचाव के उपाय एवं प्रबन्धन	20–21 जुलाई, 2017	30
4.	खरीफ दलहनी फसलों में खरपतवार प्रबन्धन	16–17 अगस्त, 2017	30
5.	सब्जियों में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन एवं बीजोपचार	22–23 जनवरी, 2018	30
6.	रबी दलहनी फसलों का प्रबन्धन एवं पौध संरक्षण	1–2 फरवरी, 2018	30
7.	रबी फसलों में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन एवं पौध संरक्षण	5–6 फरवरी, 2018	30
8.	जीरा, सौंफ एवं ईसबगोल की फसल में ड्रिप सिंचाई पद्धति की स्थापना, लाभ एवं प्रबन्धन	8–9 फरवरी, 2018	30

2.9 परियोजनाओं की स्वीकृत राशि

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं में वर्ष 2017–18 के लिए कुल 646.66 लाख रूपये स्वीकृत किये गये।

- बायोवरसिटी इन्टरनेशनल एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा राजस्थान के बाड़मेर व जोधपुर जिलों में कृषि विविधता संरक्षण और कृषि क्षेत्र परिस्थितिकी सुरक्षा एवं बाध्यता को कम करने हेतु अनुमानित 99 लाख रूपये की परियोजना की स्वीकृति कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को दी गई।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल स्वीकृत राशि (लाखों में)
1.	Genetic improvement and development of production technology of future crops like Chia, Quinoa and Dragon fruit	12.19
2.	Varietal development of Isabgol (*Plantago ovate* Forsk.) for high yield and quality	15.21
3.	Genetic improvement and developing production technology of *Henna*	37.13
4.	Scaling up water potential on computer and sensor based for precise use of irrigation water in different vegetable crops in light textured sandy soils of Western Rajasthan	107.72
5.	Establishment of model nursery for multiplication of promising cultivars of arid fruits	22.71
6.	Multi-location evaluation of nationwide released varieties of field and annual horticultural crops under arid and semi-arid climate and its promotion for enhancing productivity for famers benefit	21.31
7.	Establishment of *Kisan Kausal Vikas Kendra*: A model for Agricultural University	188.73
8.	Establishment of ATIC and development of digital library cum Information Technology (IT) tool based interactive system for farmers training and benefit at Agriculture University, Jodhpur	155.0
9.	Strengthening of seed processing and grading facility for quality seed production to enhance agricultural productivity of arid and semi-arid regions of Rajasthan	70.0
10.	Studies on cropping sequence and intercropping modules to minimize risk incurred in cumin cultivation for the benefit of growers	16.66
	योग	**646.66**

2.10 सम्मान/पुरस्कार

- Kumhar S. R and Mehriya M L. got Best Poster Award in National Seminar on "Research and Developmental Advances in Spices, Medicinal & Aromatic Crops Cultivation, Processing and Trade for Prosperity of Indian Farmers" held at Agriculture University, Jodhpur from February 1-2, 2017.

2.11 वैज्ञानिक सम्मेलन/कार्यशाला में वैज्ञानिकों की भागीदारी

1. Dr. M. M. Sundria participated in Review Meeting of ICAR Institutions (IIOR) under NMOOP held at Directorate of Rapseed-Mustard Research, Sewar, Bharatpur on March 17, 2017.
2. Dr. S. R. Kumhar, Dr. M. M. Sundria and Dr. Moola Ram participated in Annual Group Meeting on Sunflower and Sesame & Niger held at CCSHAU, Hisar (Haryana) from April 20-22, 2017.
3. Dr. M. L. Mehriya participated in 11th Annual Review Meeting of the schemes on spices & aromatic plants under MIDH implemented through DASD held at CCSHAU, Hisar (Haryana) from May 12-13, 2017.
4. Dr. J. R. Verma participated in Zonal Coference of KVKs held at JAU, Junagarh from June 9-11, 2017.
5. Dr. Moola Ram participated in Summer School Training Programme on "Production of Bio-CNG and Organic Manure through Anaerobic Agro-Waste Decomposition Techniques" held at Dryland Farming Research Station, Arjia, Bhilwara from August 10-30, 2017.
6. Dr. M. L. Mehriya participated in Annual Group Meeting of All India Coordinated Research Project on Spices (AICRPS-XXVII) held at NRCSS, Tabiji, Ajmer from Oct., 24-26, 2016.
7. Dr. J. R. Verma participated in International Conference on "Plant health for human wealth" held at University of Rajasthan, Jaipur from November 1-4, 2017.

8. Dr. R. L. Bhardwaj participated in Winter School on "Recent advances in production, protection and processing of underutilized fruits and exotic vegetables" held at SKN College of Agriculture, Jobner from December 1-21, 2017.

2.12 प्रकाशन

1. अनुसंधान पत्र – 1
2. पुस्तक अध्याय – 1
3. फोल्डर – 3
4. भाषण प्रस्तुति –2

2.13 बीज निदेशालय

बीज निदेशालय, विश्वविद्यालय के अधीनस्थ विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों/संस्थानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों पर खरीफ, रबी व जायद में विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के प्रजनक बीज व ट्रयूथफुली लेवल्ड बीज के उत्पादन से विधायन तक के कार्य की देखरेख करता है। साथ ही जहाँ आवश्यकता हो वहाँ पर विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के आधार बीज व प्रमाणित बीज उत्पादन कार्य की देखरेख भी करता है। विश्वविद्यालय यहाँ उत्पादित उन्नत बीज (प्रजनक बीज) व अन्य बीज उत्पादन संस्थानों जैसे राजस्थान राज्य बीज निगम, राष्ट्रीय बीज निगम तथा बीज उत्पादन करने वाली निजी कम्पनियों को उपलब्ध करवाने के साथ ही अनुसंधान संस्थानों व कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से राज्य के किसानों को ट्रयूथफुल लेवल्ड बीज उपलब्ध करवाने का कार्य करता है। विश्वविद्यालय की वर्ष 2017–18 में बीज उत्पादन प्रगति निम्नानुसार है–

प्रजनक बीज: वर्ष 2017 खरीफ में बाजरा का 8.85 क्विंटल तथा तिल का 2.50 क्विंटल बीज उत्पादित किया गया (तालिका 1)।

टी.एल. (ट्रयूथफुली लेवल्ड) बीज: विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर विभिन्न फसलों की अलग–अलग किस्मों का रबी 2016–17 में कुल 628.0 क्विंटल बीज उत्पादित किया गया (तालिका 2), जिसमें गेहूँ, 242.99 क्विंटल, राया 185.94 क्विंटल, चना 57.10 क्विंटल, जीरा 50.59 क्विंटल, मैथी 49.07 क्विंटल तथा इसबगोल 17.23 क्विंटल था। जायद में संकर बाजरा, एम.पी.एम.एच. 17 का 106.4 क्विंटल बीज (तालिका 3) उत्पादित किया गया।

खरीफ 2017 में विश्वविद्यालय के अलग–अलग केन्द्रों पर फसलों की विभिन्न किस्मों का कुल 1058.89 क्विंटल बीज उत्पादित किया गया (तालिका 4) जिसमें संकर बाजरा का 7.61 क्विंटल, मूँग का 935.09 क्विंटल, मोठ का 65.24 क्विंटल, ग्वार का 28.16 क्विंटल बीज तथा तिल का 22.79 क्विंटल बीज उत्पादित किया गया।

तालिका 1. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2017 में प्रजनक बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर	कुल बीज
बाजरा एम.पी.एम.एच.17	आई.सी.एम.ए. 04999 (मादा पैतृक)	–	4.65	4.65
बाजरा एम.पी.एम.एच. 21	आई.सी.एम.ए. 93333 (मादा पैतृक)	–	1.15	1.15
बाजरा एम.पी.एम.एच.17	एम.आई.आर. 525–2 (नर पैतृक)	2.25	–	2.25
बाजरा एम.पी.एम.एच. 21	एम.आई.आर. 524 (नर पैतृक)	0.80	–	0.80
	कुल बाजरा बीज	3.05	5.80	8.85
तिल	आर.टी. 346	0.30	–	0.30
	आर.टी. 351	2.20	–	2.20
	कुल तिल बीज	2.50	–	2.50
कुल बीज उत्पादन		5.55	5.80	11.35

तालिका 2. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर रबी 2016–17 में फसलवार टी.एल. बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र		कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर	कृषि विज्ञान केन्द्र, जालोर	कुल बीज
		मंडोर	जालोर			
गेहूँ	राज. 4083	50.53	–	86.82	–	137.35
	के.आर.एल. 210	29.69	–	–	40.03	77.72
	के.आर.एल. 213	27.92	–	–	–	27.92
	कुल गेहूँ बीज	108.14	–	86.82	40.03	242.99
राया	पी.एम. 26	15.20	–	16.73	128.41	160.34
	सी.एस. 54	–	25.60	–	–	25.60
	कुल राया बीज	15.20	25.60	16.73	128.41	185.94
चना	जी.एन.जी. 1581	–	–	33.17	–	33.17
	आर.एस.जी. 895	–	16.58	–	–	16.58
	आर.एस.जी. 973	–	7.35	–	–	7.35
	कुल चना बीज	–	23.93	33.17	–	57.10
जीरा	जी.सी. 4	36.25	10.29	–	4.05	50.59
धनिया	ए.सी.आर.1	–	2.00	16.90	–	18.90
	ए.जी.सी.आर.1	–	–	1.02	–	1.02
	कुल धनियाँ बीज	–	2.00	17.92	–	19.92
मैथी	आर.एम.टी. 305	9.00	14.53	–	–	23.53
	ए.एफ.जी.3	–	–	25.54	–	25.54
	कुल मैथी बीज	9.00	14.53	25.54	–	49.07
ईसबगोल	आर.आई.1	8.85	–	–	8.38	17.23
मिर्च	आर.सी.एच. 1	5.16	–	–	–	5.16
कुल बीज उत्पादन (क्विंटल)		182.60	76.35	180.18	188.87	628.00

तालिका 3. कृषि विश्वविद्यालय के मण्डोर केन्द्र पर जायद 2017 में संकर बाजरा बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र		कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर	कृषि महाविद्यालय, मंडोर	कुल बीज
		मंडोर	जालोर			
बाजरा	एम.पी.एम.एच. 17 (संकर)	49.25	11.46	36.69	9.00	**106.40**

तालिका 4. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2017 में फसलवार टी.एल. बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र / उप केन्द्र					कृषि विज्ञान केन्द्र				कृषि महाविद्यालय, मंडोर	कुल बीज
		मंडोर	जालोर	सुमेरपुर	नागौर	समदड़ी	जालोर	सिरोही	नागौर	मौलासर		
बाजरा	एम.पी.एम.एच. 17	–	–	–	7.20	–	–	–	–	0.41	–	7.61
मूंग	जी.एम. 4	22.24	18.21	46.67	–	8.09	–	–	–	–	15.50	110.71
	जी.ए.एम. 5	31.93	–	44.17	55.37	7.07	40.27	9.0	81.0	26.15	5.0	300.31
	आई.पी.एम.02–03	8.75	86.74	–	–	8.74	217.47	–	–	–	–	321.70
	एम.एच. 421	–	–	45.74	23.57	–	–	–	52.0	27.26	–	148.57
	सत्या	–	–	–	26.80	–	–	–	27.0	–	–	27.00
	कुल मूंग बीज	62.92	104.95	136.58	105.74	23.90	257.74	9.0	160.0	53.76	20.5	935.09
मोठ	आर.एम.ओ. 435	–	–	–	30.25	–	–	–	30.0	–	–	60.25
	सी.जेड़.एम. 2	0.30	–	–	–	3.79	–	–	–	–	–	4.09
	आर. एम. ओ. 57	0.90	–	–	–	–	–	–	–	–	–	0.90
	कुल मोठ बीज	1.20	–	–	30.25	3.79	–	–	30.0	–	–	65.24
ग्वार	आर.जी.एम. 112	7.23	–	–	4.63	–	–	–	–	–	–	11.86
	आर.जी.सी. 1017	–	–	–	–	–	8.07	–	–	–	–	8.07
	आर.जी.सी. 1038	–	–	–	–	–	–	–	–	8.23	–	8.23
	कुल ग्वार बीज	7.23	–	–	4.63	–	8.07	–	–	8.23	–	28.16
	आर.टी. 346	0.30	–	–	–	–	–	–	–	–	–	0.30
	आर.टी. 351	0.50	9.02	11.27	1.70	–	–	–	–	–	–	22.49
	कुल तिल बीज	0.80	9.02	11.27	1.70	–	–	–	–	–	–	22.79
कुल बीज उत्पादन		72.15	113.97	147.85	149.52	27.69	265.81	9.0	190.0	62.40	20.5	1058.89

3 प्रसार शिक्षा निदेशालय

3.1 संस्थागत ढांचा

प्रसार शिक्षा का मुख्य ध्येय प्रशिक्षण, प्रदर्शन, कृषि सलाह व अन्य प्रसार माध्यमों से कृषि प्रौद्योगिकी का प्रभावी हस्तान्तरण कर मानव संसाधन विकास, ग्रामीण समुदाय की समृद्धि, कृषक एवं कृषक महिलाओं का आर्थिक व सामाजिक उत्थान तथा ग्रामीण युवाओं हेतु कृषि आधारित स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। यह कार्य विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत प्रसार शिक्षा निदेशालय के माध्यम से 06 कृषि विज्ञान केन्द्रों के द्वारा संपादित किया जा रहा है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय का मिशन कृषकों की आय बढ़ाना, आजीविका सुरक्षा, फसल विविधता, जोखिम, कृषि में स्थिरता एवं की गुणवत्ता सुधार हेतु सामाजिक समानता एवं समावेशित विकास करना है।

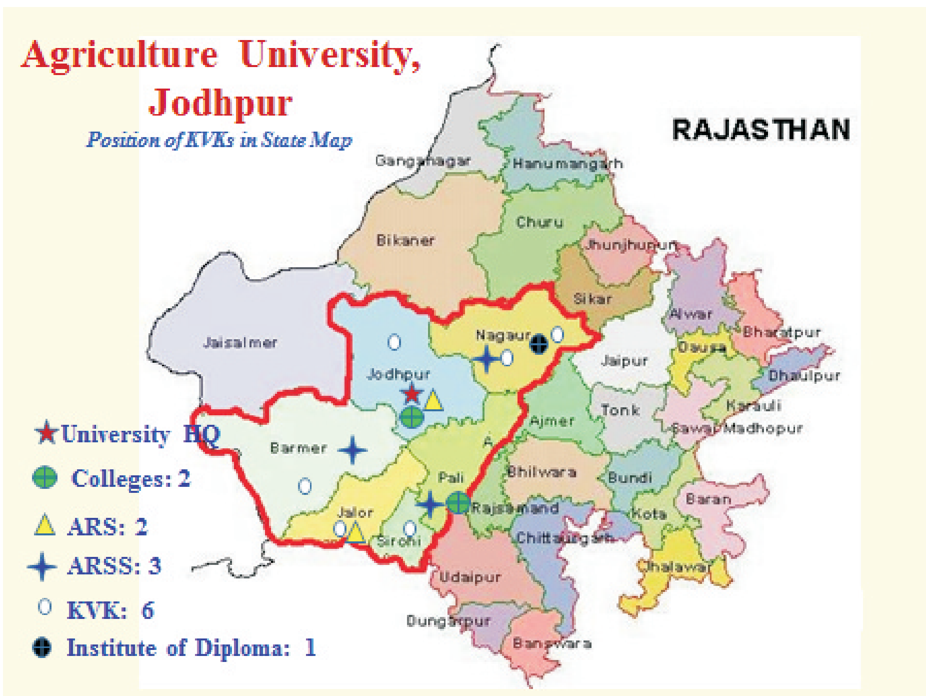

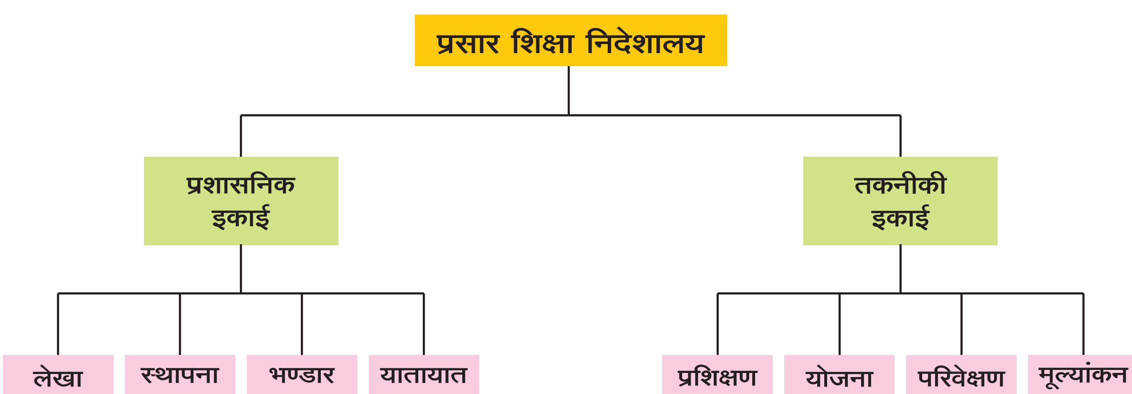

3.2 प्रसार शिक्षा निदेशालय के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं –

- राज्य सरकार व गैर सरकारी संगठनों के कार्यकर्ताओं व विभिन्न अधिकारियों के लिये अनुसंधान द्वारा विकसित तकनीकी से पाठ्यक्रम तैयार कर प्रशिक्षण देना।
- राज्य के कृषक, कृषक महिलाओं एवं विद्यालय छोड़ चुके युवा कृषकों एवं बालिकाओं हेतु लघु एवं दीर्घ अवधि के रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण आयोजित करना।
- प्रथम पंक्ति प्रदर्शन व कृषकों के प्रक्षैत्रों पर व्यापक प्रसार के लिये परीक्षण आयोजित कर कृषि की नवीनतम प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन एवं परिष्करण करना।
- प्रौद्योगिकी के शीघ्र प्रसार हेतु कृषि साहित्य तैयार कर विविध माध्यमों से कृषि सूचनाएं कृषकों तक पहुँचाना।
- विश्वविद्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्रों की विभिन्न गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन, परिवेक्षण व मूल्यांकन करना।

3.2.1 कृषि विज्ञान केन्द्र

राज्य के 10 कृषि शस्य जलवायु के खण्डों में से तीन कृषि शस्य जलवायु के खण्ड विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में आते हैं जिनमें 9 कृषि विज्ञान केन्द्र संचालित हैं।

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा संचालित 6 कृषि विज्ञान केन्द निम्नानुसार हैं:–

कृषि विज्ञान केन्द्र, केशवाना, जालोर (1985 में स्थापित), कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही (1989 में स्थापित), कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन, नागौर (1992 में स्थापित), कृषि विज्ञान केन्द्र, गुड़ामालानी, बाड़मेर (2012 में स्थापित), कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, नागौर (2012 में स्थापित) तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, फलोदी, जोधपुर (2012 में स्थापित)।

अन्य एजेन्सियों द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र :

कृषि विज्ञान केन्द्र, पाली तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, जोधपुर, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), जोधपुर द्वारा संचालित हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र, दांता–बाड़मेर एन.जी.ओ. SURE द्वारा संचालित किया जा रहा हैं।

3.2.2 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्मिकों की स्थिति

विश्वविद्यालय के अधीनस्थ 6 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष के 6 पद रिक्त हैं, विषय वस्तु विशेषज्ञों के 36 अनुमोदित पदों में से 27 पद रिक्त हैं । इस प्रकार फार्म प्रबंधक, कार्यक्रम सहायक (कंम्प्यूटर व प्रयोगशाला) के 18 पदों में से 14 पद रिक्त हैं। कार्यालय सहायक एवं स्टेनो के कुल 12 पदों में से 10 पद रिक्त हैं। केन्द्रों पर अनुमोदित वाहन चालक के 12 पदों में से 8 पद व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 12 पदों में से 4 पद रिक्त हैं। इस प्रकार इन 6 केन्द्रों पर कुल अनुमोदित 96 पदों में से 69 पद रिक्त हैं। इसके बावजूद भी केन्द्रों को आवंटित सारे कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा हैं।

3.2.3 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्मिकों की स्थिति

कृषि विज्ञान केन्द्र	व.वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष	विषय वस्तु विशेषज्ञ	निजी सहायक	अन्य
अठियासन	0	2	1	4
गुड़ामालानी	0	1	0	2
केशवाना	0	1	2	6
मौलासर	0	1	1	3
फलौदी	0	0	0	1
सिरोही	0	1	1	1
कुल योग	0	6	5	17

कुल स्वीकृत पदों की संख्याः 96 कुल रिक्त पदों की संख्याः 67

3.3 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर पर प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित किसान मेला

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर पर दिनांक 15.09.2017 को किसान मेले

का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 1500 किसानों ने भाग लिया।

3.4 प्रसार शिक्षा परिषद् की द्वितीय बैठक का आयोजन

प्रसार शिक्षा परिषद् की द्वितीय बैठक का आयोजन 30 अगस्त, 2017 को कृषि विश्वविद्यालय मुख्यालय पर किया गया। जिसमें सभी प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में प्रसार शिक्षा निदेशालय की समस्त गतिविधियों एवं निदेशालय द्वारा संचालित परियोजनाओं के विषय में विचार–विमर्श किया गया।

3.5 ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम–2017)

एफ.आई.सी.सी.आई. एवं राजस्थान सरकार द्वारा कोटा में दिनांक 24–26 मई 2017 एवं उदयपुर में दिनांक 7–9 नवम्बर 2017 को आयोजित ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम–2017) में प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा भाग लिया गया।

ग्राम–2017 में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की प्रदर्शनी का अवलोकन

3.6 गोदित स्मार्ट गांव (नेवरा रोड) के उच्च माध्यमिक विद्यालय स्मार्ट बोर्ड की स्थापना

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा गोदित स्मार्ट गांव (नेवरा रोड) के उच्च माध्यमिक विद्यालय में दिनांक 4 अगस्त 2017 को स्मार्ट बोर्ड की स्थापना

की गई। इस स्मार्ट बोर्ड का शुभारंभ गांव के सरपंच श्री देदाराम एवं विश्वविद्यालय के माननिय कुलपति डॉ. बलराज सिंह द्वारा किया गया। स्मार्ट बोर्ड मुम्बई स्थित एन.जी.ओ. (आई.आई.एफ.एल. फॉउण्डेशन, मुम्बई) द्वारा मुफ्त में भेंट किया गया।

3.7 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

क्र.सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	दिनांक
1	अठियासन	05.12.2017
2	गुड़ामालानी	06.09.2017
3	केशवाना	07.09.2017
4	मौलासर	06.12.2017
5	सिरोही	27.07.2017

3.8 वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में गहन मंथन

3.9 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा केन्द्र पर प्रशिक्षण (ON CAMPUS)

क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी
1	अठियासन (नागौर प्रथम)	09	180
2	गुड़ामालानी (बाड़मेर द्वितीय)	26	630
3	केशवाना (जालोर)	02	45
4	मौलासर (नागौर द्वितीय)	04	108
5	फलौदी (जोधपुर द्वितीय)	19	475
6	सिरोही	08	215
	कुल योग	68	1653

3.10 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों के खेतों पर प्रशिक्षण (OFF CAMPUS)

क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी
1	अठियासन (नागौर प्रथम)	06	240
2	गुड़ामालानी (बाड़मेर द्वितीय)	29	1515
3	केशवाना (जालोर)	17	425
4	मौलासर (नागौर द्वितीय)	06	138
5	फलौदी (जोधपुर द्वितीय)	19	475
6	सिरोही	06	162
	कुल योग	**83**	**3038**

3.11 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम (SPONSORED TRAININGS)

क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी
1	अठियासन (नागौर प्रथम)	03	60
2	गुड़ामालानी (बाड़मेर द्वितीय)	06	180
3	केशवाना (जालोर)	08	245
4	मौलासर (नागौर द्वितीय)	06	195
5	फलौदी (जोधपुर द्वितीय)	05	125
6	सिरोही	07	210
	कुल योग	35	1015

3.12 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन–(एन.एम.ओ.ओ.पी.) खरीफ–2017

प्रदर्शित तकनीकी

1. उन्नत बीज
2. पंक्तिबद्ध बुवाई
3. बीजोपचार
4. जिंक सल्फेट का प्रयोग
5. पौध संरक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र	फसल	किस्म	क्षेत्र (है.)	प्रदर्शनों की संख्या
नागौर	तिल	आर.टी. 351	20	40
सिरोही	तिल	आर.टी. 351	50	50
जालोर	तिल	आर.टी. 351	50	125

3.13 ''संकल्प से सिद्धि'' (न्यू इण्डिया मंथन) प्रोग्राम

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही द्वारा दिनांक 27 अगस्त, 2017 को ''संकल्प से सिद्धि'' (न्यू इण्डिया मंथन) प्रोग्राम का

आयोजन किया गया, जिसमें किसानों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

3.14 अंतर्राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन (5 दिसम्बर, 2017)

मृदा स्वास्थ्य, उर्वरकता और उत्पादकता के सम्बन्ध में ज्ञान वृद्धि हेतु सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर अंतर्राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन दिनांक 5 दिसम्बर 2017 को किया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया।

3.15 कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन–नागौर–प्रथम पर किसान दिवस का आयोजन (दिनांक 23 दिसम्बर 2017)

कृषि विज्ञान केन्द्र, नागौर द्वारा किसानों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ किसान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न फसलों की आधुनिक तकनीकीयों पर मय

विषय विशेषज्ञों की राय सहित पत्र–पत्रिकाओं का किसान दिवस पर वितरण भी किया गया।

3.16 अनार के बाग का भ्रमण

कृषि विज्ञान केन्द्र मौलासर द्वारा किसान के खेत पर ''टिश्यू कल्चर तकनीकी'' द्वारा तैयार अनार के बाग का माननीय कुलपति महोदय डॉ. बलराज सिंह द्वारा भ्रमण किया गया।

3.17 फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम

प्रौद्योगिकी एकीकरण द्वारा अनुसंधान एवं प्रसार के माध्यम से कृषि आय को राजस्थान के जोधपुर जिले में दुगनी करना। इस हेतु जोधपुर जिले के तीन गांवों मणाई, बींजवाड़ियाँ एवं बालरवा का चयन किया गया है। यह परियोजना भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा

स्वीकृत की गई है। इसके लिए कुल रू. 99.95 लाख स्वीकृत किए गए हैं।

3.17.1 फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत किसानों में वित्तीय जागरूकता हेतु बैठक का आयोजन एवं किसानों के खेतों का भ्रमण किया गया।

3.17.2 संकर बाजरा की किस्म एम.पी.एम.एच. 17 का प्रदर्शन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा जारी की गई संकर बाजरा की किस्म एम.पी.एम.एच. 17 का 300 किसानों को चयनित गांवों में वितरित किया गया। बाजरा की उन्नत किस्म

एम.पी.एम.एच. 17 पक्षियों से होने वाले नुकसान तथा बीमारी एवं कीटों से सुरक्षित पाई गई।

3.17.3 पत्तागोभी की विषाणुरहित पौध तैयार करने हेतु कीटरोधी नेट

किसानों द्वारा पत्तागोभी की विषाणुरहित पौध तैयार करने हेतु कीटरोधी नेट का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

3.17.4 गाजर की किस्म : देसी रेड/पूसा रूधिरा का प्रदर्शन

3.17.5 पत्तागोभी की किस्म : मैलीनियन–111 का प्रदर्शन

तीन गाँवों में 71 किसानों को पत्तागोभी की उन्नत किस्म मैलीनियन–111 के बीज का (प्रति किसान 10 ग्राम / 0.1 है.) वितरण किया गया

3.17.6 प्याज (एन.एच.आर.डी.एफ. 2 एवं 3) की नई किस्मों का प्रदर्शन

प्याज की नई किस्मों का नवम्बर माह के द्वितीय सप्ताह में वितरण किया गया तथा किसान के खेत पर पौध को तैयार

किया जाकर दिसम्बर माह के प्रथम पखवाड़े में रोपाई की गई जिसे किसानों द्वारा काफी सराहा गया।

3.17.7 सहजन (ड्रम स्टिक), लसोड़ा तथा कुमट पौधों का रोपण

50 किसानों को मोरींगा के 217 पौधें तथा 100 किसानों को लसोड़ा के 883 पौधें अगस्त से अक्टूबर तक गांव मणाई एवं बींजवाड़ियाँ में वितरित किये गये।

3.17.8 फल एवं सब्जियों का मूल्य संवर्द्धन प्रक्षिशण

'फार्मर फर्स्ट परियोजना' के अंतर्गत ग्राम बींजवाड़ियाँ में 102 महिलाओं को आंवला, पत्तागोभी, गाजर, हरी मिर्च के अचार बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

3.17.9 वॉक इन टनल की स्थापना

बालरवा एवं बींजवाड़ियाँ ग्राम में 30 किसानों के खेतों में वॉक इन टनल की स्थापना की गयी।

3.17.10 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में दिनांक 28–31 जनवरी तक कृषि मेले (राफ–2018) का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वाधान में दिनांक 28–31 जनवरी 2018 के दौरान ''पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि मेला'' का आयोजन विश्वविद्यालय के मंडोर स्थित मुख्यालय परिसर पर किया गया। इस अवसर पर मेले के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि माननीय श्री सी. आर. चौधरी, केन्द्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य, सार्वजनिक वितरण विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने मेले में आये किसानों को संबोधित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिये चार महत्वपूर्ण बातें बताई जिसमें कड़ी मेहनत, उन्नत एवं नवीनतम कृषि तकनीक का समावेश, कृषि वैज्ञानिकों की सलाह एवं खाद्य प्रसंस्करण द्वारा मूल्य संवर्द्धन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर मेले के विशिष्ठ अतिथि राज्यसभा के मुख्य सचेतक एवं सांसद श्री नारायण लाल पंचारिया ने अपने

उद्‌बोधन में बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शिता और गरीबों के प्रति विशेष सोच के कारण ही आज जीरो बेलेन्स पर गरीबों के बैकों में खाते खोले गये। इस अवसर पर मेले की अध्यक्षता करते हुए मिजोरम के पूर्व राज्यपाल माननीय श्री ए. आर. कोहली ने किसानों को सम्बोधित करते हुए अपने मिजोरम में राज्यपाल पद के कार्यकाल के दौरान संरक्षित खेती और बागवानी के क्षेत्र में किये गये अभूतपूर्व कार्यों (कृषि वैज्ञानिकों द्वारा इजाद नवीनतम तकनीकों) को अपनाने और किसानों की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण ही संभव हो पाया हैं। श्री कोहली ने कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कृषि वैज्ञानिकों का आह्‌वान करते हुए कहा कि यदि यहां के वैज्ञानिक इस क्षेत्र के 10 प्रतिशत किसानों को भी नवीन कृषि तकनीकों को अपनाने के लिये प्रेरित करें तो इस क्षेत्र में किसानों की आर्थिक स्थिति निश्चित तौर पर बदल जायेगी। श्री कोहली ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की किसान हितैषी योजनाओं जैसे कम पानी में ज्यादा पैदावार (More crop per drop) को राजस्थान की भौगोलिक परिस्थिति के अनुरूप अपानाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह जी ने अपने लगभग दो वर्ष के कार्यकाल में विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रों जैसे आधारभूत संस्थागत ढांचे के निर्माण तथा उसमें हुए सुधार, कृषि शिक्षा, कृषि अनुसंधान, कृषि प्रसार शिक्षा, बीज उत्पादन तथा नवीन परियोजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस मेले में लगातार चार दिन तक विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विषय वस्तु विशेषज्ञ उपस्थित रहे और किसानों के प्रश्नों के उत्तर दिये गये। विश्वविद्यालय के मंडोर स्थित मुख्यालय परिसर पर इस चार दिवसीय कृषि मेले का समापन हुआ। मेले के समापन समारोह के मुख्य अतिथि जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री, राजस्थान सरकार डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़ रहें तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने की। इस अवसर पर आर.ए.सी. के उपमहानिदेशक श्री दिलीप जाखड, अटारी–जोधपुर के निदेशक डॉ. एस.के. सिंह विशिष्ठ अतिथि रहें। मुख्य अतिथि डॉ. राठौड ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान का यह क्षेत्र वर्षा आधारित है लेकिन अभी हाल ही में यहां पर सिंचित क्षेत्र में भी काफी बढ़ोतरी हुई है अतः वैज्ञानिकों को वर्षा आधारित एवं सिचिंत दोनो तरह की परिस्थितियों के लिये कृषि तकनीकियों का विकास कर क्षेत्र के अंतिम किसान तक नवीन कृषि तकनीक को पहुँचाना होगा। चार दिवसीय मेले में कुल 6000 किसान व 100 वैज्ञानिक/कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। डॉ. ईश्वर सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा ने मेला अधिकारी का कार्यभार संभाला।

4. कृषि शिक्षा

4.1 कृषि महाविद्यालय, मंडोर, जोधपुर

कृषि महाविद्यालय, मंडोर जोधपुर में कुल 224 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। जिनमें कृषि विज्ञान (ऑनर्स) स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में 201 व स्नातकोत्तर में 23 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। महाविद्यालय के विद्यार्थियों के दूसरे बैच ने जून, 2017 में स्नातक डिग्री पूर्ण की है। इस साल चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों का कोर्स वर्क समाप्त हो चुका हैं तथा इस सेमेस्टर में उन्हें (ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव) कार्यक्रम के तहत् कृषि सम्बन्धित कार्य एवं कृषकों की सामाजिक, आर्थिक, कृषि तकनीकी ज्ञान सम्बन्धी कार्यानुभव प्राप्त करने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से गांवों में भेजा गया है।

महाविद्यालय के उद्देश्य

1. कृषि से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर संपूर्ण ज्ञान प्रदान करना ।
2. शिक्षा के साथ–साथ विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करना।
3. कृषि से सम्बन्धित सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक शिक्षा प्रदान करना।

4.1.1 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण: इस महाविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक पदों का विवरण इस प्रकार हैं:–

I. शैक्षणिक पदों का विवरण:

पदनाम	स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
सहायक आचार्य	10	05	05
सह–आचार्य	02	–	02
आचार्य	01	–	01

II. गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण:

पदनाम	स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
प्रयोगशाला सहायक+	04	02	02
निजी सहायक	01	01	–
कनिष्ठ लिपिक	01	01	–
फार्म मैनेजर	01	–	01
पम्प ऑपेरटर+	01	01	–
पुस्तकालय सहायक	01	–	01
कृषि पर्यवेक्षक	01	01	–
वाहन चालक*	02	02	–

+ विरुद्व पद, *संविदा पर REXO द्वारा

4.1.2 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं की संख्या

4.1.2.1 स्नात्तक कार्यक्रम

I. छात्रों की संख्या

कक्षा	सामान्य वर्ग	एस.बी. सी.	अ.पि. व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	6	–	19	7	4	36
द्वितीय वर्ष	2	2	25	9	2	40
तृतीय वर्ष	3	–	24	5	4	36
चतुर्थ वर्ष	1	–	23	4	4	32
कुल योग						**144**

II. छात्राओं की संख्या

कक्षा	सामान्य वर्ग	एस.बी. सी.	अ.पि. व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	–	–	9	2	1	12
द्वितीय वर्ष	2	–	13	1	2	18
तृतीय वर्ष	2	1	7	4	1	15
चतुर्थ वर्ष	1	–	7	2	2	12
कुल योग						**57**

4.1.2.2 स्नातकुत्तर कार्यक्रम

I. छात्रों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	एस.बी. सी.	अ.पि. व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
शस्य विज्ञान	–	–	6	–	–	6
उद्यानिकी	–	–	3	1	1	5
पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी	–	–	2	1	–	3
कुल योग						14

II. छात्राओं की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	एस.बी. सी.	अ.पि. व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
शस्य विज्ञान	–	–	1	1	–	2
उद्यानिकी	–	–	2	1	–	3
पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी	–	–	4	–	–	4
कुल योग						9

4.1.3 महाविद्यालय के प्रमुख कार्य तथा वर्ष 2017–18 के दौरान प्रत्येक कार्य के समदर्श प्रगति

महाविद्यालय का प्रमुख कार्य कृषि विज्ञान में शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ विद्यार्थियों का सम्पूर्ण विकास करना हैं। समय पर सम्बन्धित विषय के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कालांश संबंधित शिक्षक द्वारा लिए जा रहे हैं। प्रथम सेमस्टर के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परिक्षाए समय पर सफलता पूर्वक सम्पन्न हो चुकी हैं । जनवरी, 2018 से द्वितीय सेमस्टर की कक्षाऐं नियमित हो रही है। महाविद्यालय द्वारा छात्रों की शिक्षा सुचारू रूप से निष्पादित की जा रही हैं तथा छात्रों का प्रदर्शन उत्तम हैं।

4.1.3.1 वर्ष 2017–18 के दौरान विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन

कक्षा बी.एससी. (कृषि आनर्स)	विद्यार्थियों की संख्या एवं प्राप्तांक प्रतिशत				कुल विद्यार्थी	टिप्पणी
	50 से कम	51 से 60	61 से 70	71 प्रतिशत से अधिक		
प्रथम वर्ष	4	13	22	8	47	परिणाम घोषित
द्वितीय वर्ष	1	14	32	4	51	परिणाम घोषित
तृतीय वर्ष	0	13	20	11	44	परिणाम घोषित
चतुर्थ वर्ष	0	2	18	16	36	परिणाम घोषित

- जिनमें 5 छात्र–छात्राऐं अंतर–महाविद्यालय हस्तांतरण व 8 I.D.A., लाडनूं के छात्र–छात्राऐं शामिल नहीं हैं।

नोट:–

1. प्रथम वर्ष के अंतर्गत 47 छात्र–छात्राओं में 30 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की।
2. द्वितीय वर्ष के अंतर्गत 51 छात्र–छात्राओं में 36 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की।
3. तृतीय वर्ष के अंतर्गत 44 छात्र–छात्राओं में 31 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की ।
4. चतुर्थ वर्ष के अंतर्गत 36 छात्र–छात्राओं में 34 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की ।

4.1.3.2 छात्रवृत्ति विवरण–

कुल 224 विद्यार्थियों में 126 छात्र–छात्राओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत् छात्रवृत्ति प्राप्त की है जिनमें 66 छात्राऐं भी सम्मिलित हैं।

4.1.3.3 मेरिट/अन्य पुरस्कार–

परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा जारी मेरिट लिस्ट (टॉप–5) में कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के तीन छात्र–छात्राओं ने स्थान बनाया जिनमें श्री रामराज कड़वासरा, सु. श्री. अनीता व सु श्री. शिखा चौधरी ने विश्वविद्यालय स्तर पर क्रमशः प्रथम, तृतीय व पंचम स्थान प्राप्त किया।

4.1.3.4 विभिन्न दिवस/पखवाड़ा/राष्ट्रीय पर्व

4.1.3.4.1 अड़सठवां गणतंत्र दिवस

इस वर्ष कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रांगण में 68वां गणतंत्र दिवस मनाया गया, जिसमें कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के कर्मचारी व छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस समारोह के मुख्य–अतिथि माननीय कुलपति डॉ बलराज सिंह ने सम्बोधित कर इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला।

4.1.3.4.2 अंतरराष्ट्रीय जैव–विविधता दिवस

22 मई, 2017 को कृषि अनुसंधान केन्द्र के सभागार में अंतरराष्ट्रीय जैव–विविधता दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ बलराज सिंह, माननीय कुलपति ने मरूस्थलीय जैव–विविधता की महत्ता एवं भविष्य पर व्याख्यान दिया।

4.1.3.4.3 विश्व योग दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रांगण में 21 जून, 2017 को ''विश्व योग दिवस'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, मंडोर के कर्मचारी व छात्र–छात्राओं ने योग कर उसे अपनी जीवन शैली में अपनाने का प्रण लिया।

4.1.3.4.4 शिक्षक दिवस

कृषि महाविद्यालय, मंडोर में 5 सितम्बर, 2017 को माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह की अध्यक्षता में ''शिक्षक दिवस'' का आयोजन किया गया।

4.1.3.4.5 अन्तयोदय दिवस

डॉ. वी.एस. जैतावत, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मंडोर की अध्यक्षता में 25 सितम्बर 2017 को 'अन्तयोदय दिवस' का समायोजन किया गया। डॉ. जैतावत ने अपने अभिभाषण में कहा कि '' पंडित दीनदयाल उपाध्याय महान चिन्तेक और संघटनकर्ता थे। उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल के रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी अमित गोदारा, हितेश चौधरी एवं अंजली नागौरी ने उनके जीवन को विस्तृत रूप से अपने भाषणों के द्वारा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

4.1.3.4.6 स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा (15 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2017) के अंर्तगत कृषि महाविद्यालय, मंडोर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर परिसर एवं आस–पास के स्थानों की सफाई करायी गई। इस अवसर पर माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह एवं डॉ. वी.एस. जैतावत, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मंडोर के दिशा निर्देश में छात्र–छात्राओं सहित अधिकारी/कर्मचारियों ने श्रमदान किया।

4.1.3.4.7 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं दिवंगत प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं श्री दिवंगत प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस 2 अक्टूबर 2017 को मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं श्री

लाल बहादुर शास्त्री जी के योगदान को याद किया गया। माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने अपने उद्बोधन में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को साझा किया। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. वी. एस. जैतावत, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मंडोर ने उनके योगदान को याद किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं सहित कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

4.1.3.4.8 राष्ट्रीय एकता दिवस

31 अक्टूबर, 2017 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस को 'राष्ट्रीय एकता' दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह की उपस्थिति में 'रन फॅार यूनिटी' दौड़ में छात्र–छात्राओं सहित कर्मचारीगणों ने एक साथ दौडकर एकता का परिचय दिया।

4.1.3.4.9 कृषि शिक्षा दिवस

कृषि महाविद्यालय, मंडोर में 'कृषि शिक्षा दिवस' (3 दिसम्बर 2017) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने कृषि शिक्षा पर व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा वर्तमान में कृषि शिक्षा में चुनौतियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. बी.एस. राजपुरोहित, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मंडोर ने की।

4.1.3.5 ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE)

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE) के तहत बी.एस.सी (आनर्स) कृषि चतुर्थ वर्ष के 36 छात्र–छात्राओं का ओरिऐन्टेशन प्रोग्राम 15 से 18 फरवरी, 2017 तक आयोजित कर उन्हें ग्रामीण परिवेश में ग्रामीण अनुभव के लिए भेजा गया।

4.1.3.6 प्रकाशन (2017–18) व अन्य

1. अनुसंधान पत्र – 5
2. पुस्तक अध्याय – 2
3. प्रैक्टिकल / टीचिंग मैन्युल – 4
4. लोकप्रिय लेख – 14
5. रेडियों वार्तालाप–2

4.1.3.7 पुरस्कारित कर्मचारी

SIDA व कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में सहायक प्राध्यापक डॉ. संतोष चौधरी, डॉ. उमा नाथ शुक्ला व श्री प्रहलाद राम रैगर ने भाग लिया। सहायक प्राध्यापक डॉ. संतोष चौधरी को उनके उत्कृष्ठ मौखिक व्याख्यान के लिये पुरस्कार दिया गया।

4.1.3.8 ट्रेनिंग/सेमिनार

1. डॉ. उमा नाथ शुक्ला–1 (सेमिनार)
2. डॉ. संतोष चौधरी–1 (सेमिनार)
3. श्री प्रहलाद राम रैगर–1 (21 दिन प्रशिक्षण–10 से 30 अगस्त, 2017, 1 सेमिनार)
4. डॉ. बनवारी लाल–1 (21 दिन प्रशिक्षण–23 जून से 13 जुलाई, 2017)

4.1.3.9 खेल कूद प्रतियोगिता

- अंतर–कृषि महाविद्यालय खेल–कूद प्रतियोगिता 2017–18 का आयोजन कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, पाली में दिनांक 25 से 26 मार्च, 2017 को आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, मंडोर के छात्र– छात्राओं ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया। कृषि महाविद्यालय, मंडोर के छात्रों ने पुरूषों की 100 मीटर, 400 मीटर व 800 मीटर रिले दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार छात्राओं ने भी अपनी प्रतिभाओं का प्रर्दशन किया।
- लम्बी कूद में श्री सुरेन्द्र कुमार, ट्रिपल जम्प में श्री शैलेन्द्र कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- टीम इवेन्ट के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के पुरूष वर्ग के छात्रों ने बैडमिन्टन, टेबल टेनिस व क्रिकेट मे प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के छात्र– छात्राओं ने अन्य प्रतिस्पर्धाओं में भी उम्दा प्रर्दशन कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

4.1.3.10 कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव

कक्षा प्रतिनिधि चयन का चुनाव 28 अगस्त, 2017 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विवरण तालिका

छात्रों का नाम	कक्षा	चयनित पद
मीनू	बी.एस.सी (आनर्स) कृषि–प्रथम वर्ष	कक्षा प्रतिनिधि
मंगल चंद चौधरी	बी.एस.सी (आनर्स) कृषि–द्वितीय वर्ष	कक्षा प्रतिनिधि व संयुक्त सचिव
अरूण रांकावत	बी.एस.सी (आनर्स) कृषि–तृतीय वर्ष	कक्षा प्रतिनिधि व संयुक्त सचिव
सचिन	बी.एस.सी (आनर्स) कृषि–चतुर्थ वर्ष	कक्षा प्रतिनिधि व सचिव
सोमवीर	एम.एस.सी (कृषि)–प्रथम वर्ष	कक्षा प्रतिनिधि
अंजली जिंगर	एम.एस.सी (कृषि)– द्वितीय वर्ष	कक्षा प्रतिनिधि व अध्यक्ष

4.1.3.11 पुस्तकालय–

1. पुस्तकें–2064
2. मासिक मैग्जीन–4
3. दैनिक समाचार पत्र–4 (2 हिन्दी / 2 अंग्रजी)
4. साप्ताहिक रोजगार समाचार पत्र–1

4.1.4 वर्ष 2017–18 के दौरान विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ:–

- कृषि महाविद्यालय, मंडोर के छात्र श्री रामराज कडवासरा ने प्री–पी.जी. परीक्षा में सम्पूर्ण राजस्थान में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के छात्र– छात्राओं ने प्री–पीजी परीक्षा व ICAR में अच्छा प्रदर्शन कर देश के उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त किया। इनमें श्री रामराज कडवासरा ने NDRI, करनाल, श्री संजय कुमार ने IGKV, रायपुर, श्री संदीप गावडिया ने SVUAT, मेरठ, श्रीमती पेम्पी ने SKNAU, जोबनेर, श्री बंशी लाल ने MPUAT, उदयपुर, श्रीमती गुड्डी उर्फ रूचिका ने SKRAU, बीकानेर, श्री ओम प्रकाश यादव ने SKUA&T, जम्मू एवं श्री बलवंत सिंह ने BHU, वाराणसी में प्रवेश प्राप्त किया।
- महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति के निर्देशानुसार शैक्षणिक वातावरण में सुधार के सभी उपायों को यथोचित्त लागू किया गया।
- शस्य विज्ञान, उद्यानिकी तथा पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी विषय में दूसरे वर्ष का स्नोतकोत्तर कार्यक्रम शुरु किया गया।
- कृषि स्नातक प्रथम वर्ष से 5वीं डीन कमेटी की सिफारिशों को लागू किया गया ।
- महाविद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन द्वारा सुनिश्चित की गयी ।
- शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य हेतु एल.सी.डी. प्रोजेक्टर का उपयोग कर पावर पाईन्ट प्रेजेन्टेशन द्वारा शिक्षण कार्य किया जाना प्रारम्भ किया गया।
- छात्र–छात्राओं की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम रहने पर उनके अभिभावकों को दूरभाष एवं पत्र द्वारा सूचना दिया जाना।

4.1.5 सार संक्षेप

कृषि महाविद्यालय, मंडोर द्वारा विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने एवं उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिये आवश्यक शैक्षणिक वातावरण जैसे नियमित कक्षाओं का संचालन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल–कूद प्रतियोगिता, व्याख्यान इत्यादि का आयोजन समय–समय पर किया जा रहा हैं। गैर–शैक्षणिक कर्मियों की कमी के मद्देनजर शिक्षण कार्य के अतिरिक्त प्रशासनिक कार्यों में भी शिक्षकों द्वारा सहयोग किया जा रहा हैं।

4.2 कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर (पाली)

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड – 2–बी (जालोर, पाली एवं सिरोही जिले) में स्थित हैं। इस महाविद्यालय में कुल 178 विद्यार्थी अध्यनरत् हैं। जिनमें प्रथम वर्ष के 49, द्वितीय वर्ष के 46, तृतीय वर्ष के 43 तथा अंतिम वर्ष के 40 विद्यार्थी हैं। महाविद्यालय

द्वारा विद्यार्थियों की शिक्षा सुचारू रूप से निष्पादित की जा रही हैं तथा विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्तम रहा है।

4.2.1 स्नात्तक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं की संख्या :

अ. छात्रों की संख्या :

कक्षा	सामान्य वर्ग	एस.बी. सी.	अ.पि. व.	अनु.जाति / अनु.जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	4	0	20	14	38
द्वितीय वर्ष	6	0	22	6	34
तृतीय वर्ष	7	0	16	9	32
चतुर्थ वर्ष	2	0	18	7	27

ब. छात्राओं की संख्या

कक्षा	सामान्य वर्ग	एस.बी. सी.	अ.पि. व.	अनु.जाति / अनु.जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	1	0	6	4	11
द्वितीय वर्ष	0	0	6	6	12
तृतीय वर्ष	2	0	5	4	11
चतुर्थ वर्ष	3	0	7	3	13

4.2.2 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण :

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली के पदों का विवरण इस प्रकार हैं:

शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	पदों की संख्या		
	स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
आचार्य	1	1	0
सह– आचार्य	2	0	2
सहायक आचार्य	10	3	7
निजी सचिव	1	1	0
कनिठ लिपिक	1	0	1
फार्म मैनेजर	1	0	1
पम्प ऑपरेटर	1	0	1
प्रयोगशाला सहायक	4	1	3
कृषि पर्यवक्षेक	1	0	1
पुस्तकालय सहायक	1	0	1
कुल	23	6	17

4.2.3 महाविद्यालय के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के समदर्श वर्ष 2017–18 में प्रगति :

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर की वर्ष 2017–18 में प्रगति एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां निम्न प्रकार हैं:–

4.2.3.1 कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के उत्तीर्ण छात्रों का राष्ट्रीय संस्थानों में नामांकन/प्रवेश

वर्ष 2016–17 में कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर से 34 छात्रों ने बी.एस.सी. (आनर्स) कृषि में डिग्री उत्तीर्ण की उनमें से उच्च शिक्षा हेतु राष्ट्रीय संस्थानों में नामांकन / प्रवेश लिए छात्रों का विवरण नीचे दिया गया है:–

उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या	उत्तीर्ण वर्ष	राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेशित छात्रों की संख्या	विश्वविद्यालय
34	2016–17	01	एन.आई.ए.एम, जयपुर
		01	आई.ए.बी.एम, एस.के.आर.ए.यू., बीकानेर
		02	एस.के.आर.ए.यू, बीकानेर
		01	एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर
		01 (जे.आर.एफ)	डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला (महाराष्ट्र)
		02	बी.एच.यू, वाराणसी
		01	एस.के.एन.ए.यू, जोबनेर
		01	सी.सी.एस.एच.ए.यू, हिसार, (हरियाणा)
		01 (गैर–जे.आर.एफ)	नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, (गुजरात)
		01 (गैर–जे.आर.एफ)	केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल
कुल		12	

4.2.3.2 महाविद्यालय के छात्रों को जे.आर.एफ./अन्य फेलोशिप से सम्मानित

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के बी.एस.सी. (आनर्स) कृषि भाग चतुर्थ के छात्र श्री सुनिल मीणा जे.आर.एफ. फैलोशिप एवं अन्य 02 छात्रों श्री पवन कुमार एवं श्री सतदेव का गैर जे.आर. एफ. फैलोशिप हेतु वर्ष 2016–17 में चयन हुआ।

4.2.3.3 छात्रों द्वारा प्राप्त छात्रवृत्ति का विवरण (2016–17)

छात्रवृत्ति का नाम	कुल छात्रों की संख्या	अनुदान के स्त्रोत
राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति (एन.टी.एस.)	–	–
एससी/एसटी/ओबीसी/एसबीसी/अल्पसंख्यक	49	समाज कल्याण और अधिकारिता विभाग, जयपुर
पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	2	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान
छात्राओं के लिए प्रोत्साहन राशि	47	कृषि विभाग, राजस्थान सरकार
कुल छात्रवृतियाँ	99	

4.2.3.4 शैक्षणिक, सह–पाठ्यचर्या और अन्य क्षेत्रों में छात्रों की उपलब्धियां

विद्यार्थी का नाम	कक्षा	पुरस्कार विवरण
सुश्री हंसा देवी	कृषि स्नातक, द्वितीय वर्ष	अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट का पुरस्कार
सुश्री पूनम	कृषि स्नातक, प्रथम वर्ष	अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट का पुरस्कार
श्री मोहन लाल सोलंकी	कृषि स्नातक, चतुर्थ वर्ष	वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ एथलीट पुरुष
सुश्री हंसा देवी	कृषि स्नातक, द्वितीय वर्ष	वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ एथलीट महिला

4.2.3.5 वर्ष 2017–18 के दौरान विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ

- महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति के निर्देशानुसार शैक्षणिक वातावरण में सुधार के उपायों को लागू करना।
- महाविद्यालय का नवनिर्मित भवन का औपचारिक शुभारम्भ।
- महाविद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन द्वारा सुनिश्चित करना।
- शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य हेतु एल.सी.डी. प्रोजेक्टर का उपयोग कर पावर–पाईन्ट प्रेजेन्टेशन द्वारा शिक्षण कार्य।
- विद्यार्थियों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम रहने पर उनके अभिभावकों को दूरभाष एवं पत्र द्वारा सूचित करना।
- विद्यार्थियों को सूचना तकनीकी की सुविधा हेतु महाविद्यालय में संचालित कक्षाओं के समय इंटरनेट की सुविधा प्रदान करना।
- स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय तथा अनुसंधान उप–केन्द्र परिसरों में सफाई पर पूरे वर्षभर विशेष ध्यान।

4.2.4 आधारभूत सुविधाएँ

4.2.4.1 छात्रावास

वर्तमान में महाविद्यालय में छात्राओं के लिए एक छात्रावास उपलब्ध हैं जिसकी क्षमता 40 है। इस छात्रावास में वर्तमान में 34 छात्राऐं आवास कर रही है। यह छात्रावास कृषि अनुसंधान उप केन्द्र के पुराने भवन में संचालित किया जा रहा हैं। इस छात्रावास में टेलीविजन, वाटर कुलर, रेफ्रीजरेटर एवं इन्डोर खेलों की पर्याप्त व्यवस्था है।

4.2.4.2 पुस्तकालय

महाविद्यालय का पुस्तकालय ओपन सेल्फ पद्धति के द्वारा संचालित है एवं वर्तमान में इसमें 2195 पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में रेप्रोग्राफी की सुविधा उपलब्ध है। पुस्तकालय में आधुनिक कम्प्यूटर्स मय यू.पी.एस. सुविधा से उपलब्ध इन्टरनेट सेन्टर भी कार्यरत है। विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाओं एवं तथ्यों इत्यादि की जानकारी से अवगत करवाने हेतु हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्र–पत्रिकाओं को भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

क्र.सं.	विवरण	संख्या
1.	पुस्तक	2195
2.	मैग्जीन (मासिक)	05
3.	समाचार पत्र (दैनिक)	5

4.2.4.3 कम्प्यूटर प्रयोगशाला

महाविद्यालय में 30 कम्प्यूटर की सुविधा वाली सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला के साथ इन्टरनेट की व्यवस्था भी सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं।

4.2.4.4 शैक्षणिक एवं शोध प्रक्षेत्र

महाविद्यालय में 20 है. क्षेत्र में शस्य विज्ञान एवं उद्यान विज्ञान के लिए पूर्ण विकसित प्रक्षेत्र है जिसमें फसलों के साथ–साथ विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण एवं संकाय अधिकारियों द्वारा विभिन्न शोध कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

4.2.5 महत्वपूर्ण दिवसों एवं कार्यक्रमों का आयोजन

4.2.5.1 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में सभी प्रतिभागियों की शांति, सद्भाव, खुशी और सफलता हेतु 21 जून 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस समारोह में डॉ. एस. डी. रतनू, अधिष्ठाता, डॉ. एच. पी. परेवा, सहायक प्रोफेसर (मृदा विज्ञान) एवं ऐ.डी.एस.डब्ल्यू., संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दौरान कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर परिसर में अलग–अलग कार्यक्रम जैसे– सूर्यनमस्कार, विभिन्न आसन, प्राणायाम एवं ध्यान आयोजित किए गए। डॉ. एच. पी. परेवा एवं डॉ आर. के. राठौड़, सहायक प्रोफेसर द्वारा विभिन्न योग क्रियायें प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर, महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डॉ. एस. डी. रतनू ने कहा कि योग मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक क्रियायें हैं, जिसे हर दिन किया जाना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का समापन ध्यानयोग के साथ किया गया।

4.2.5.2 रैगिंग विरोधी समितियों का गठन

यूजीसी के अनुसरण में उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग रोकने के नियमन के अनुसरण में 18 जुलाई, 2017 को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में विभिन्न रैगिंग विरोधी समितियों का गठन किया गया। सत्र की शुरुआत (जुलाई, 2017) में संस्था के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर रैगिंग विरोधी फ्लेक्स/बैनर चस्पा किए गए। रैगिंग संबंधी किसी भी शिकायत हेतु अधिकारियों एवं विभिन्न समितियों के सदस्यों के फोन नंबर एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर कृषि महाविद्यालय एवं कन्या छात्रावास, परिसर में चस्पा किए गए।

4.2.5.3 उन्मुखीकरण कार्यक्रम

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु सत्र के आरम्भ में ही दिनांक 20 जुलाई, 2017 को उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार सीनियर छात्रों ने नवागंतुकों का स्वागत किया तथा इस कार्यक्रम में समस्त नव प्रवेशित छात्र–छात्राऐं अकादमिक एवं कार्यालयीन कर्मचारियों से परिचित हुए। साथ ही उन्हें विभिन्न विषयों से जुड़े रोजगार के अवसरों से भी अवगत कराया गया। सम्बंधित प्रभारियों द्वारा राज्य सरकार की स्वीकृत छात्रवृत्तियों, परीक्षा एवं अध्ययन सम्बन्धी नियम, आचरण संहिता, खेलकूद नियम, कन्या छात्रावास नियम, पुस्तकालय नियम एवं प्रक्रियाओं आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

4.2.5.4 संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम का आयोजन

माननीय प्रधानमंत्री की पहल 'नव भारत निर्माण आंदोलन 2017–2022' को आगे बढ़ाने के लिए कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में 'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 14.08.2017 को किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह उपस्थित रहे। गरीबी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, जातिवाद और अस्वच्छता से मुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रतिभागियों द्वारा प्रतिज्ञा ली गई।

4.2.5.5 स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

हमारी आजादी की शक्ति का सम्मान करने के लिए कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर परिसर में 15 अगस्त, 2017 को स्वतंत्रता दिवस उत्साह एवं जोश के साथ मनाया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. डी. रतनू ने ध्वजारोहण कर कृषि महाविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान उप केंद्र, सुमेरपुर के सभी उपस्थित संकाय सदस्यों, कर्मचारियों/अधिकारियों एवं छात्र–छात्राओं को संबोधित किया।

कक्षा प्रतिनिधि चयन तथा महाविद्यालय छात्र संघ का चुनाव

कक्षा प्रतिनिधि चयन तथा महाविद्यालय छात्र संघ का चुनाव दिनांक 28.08.2017 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ एवं परिणाम दिनांक 04.09.2017 अधिष्ठाता डॉ. एस. डी. रतनू एवं सहायक निदेशक छात्र कल्याण डॉ. एच. पी. परेवा के नेतृत्व में किया गया। इस चुनाव में श्री सुधिश कुमार, चतुर्थ वर्ष अध्यक्ष, श्री अशोक मेन्सन, तृतीय वर्ष, जनरल सेक्रेटरी तथा श्री यशवन्त मालव, द्वितीय वर्ष, संयुक्त सचिव चुने गये।

4.2.5.6 शिक्षक दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में स्वर्गीय डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की याद में 5 सितंबर, 2017 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इसमें बी. एस.सी. (ऑनर्स) कृषि के विभिन्न सेमेस्टर्स के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर संकाय सदस्यों को आमंत्रित कर विभिन्न प्रस्तुतियां दी।

4.2.5.7 स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय तथा कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र परिसर में स्वच्छता का पूरे वर्ष विशेष ध्यान रखा गया। माननीय राज्यपाल, सचिवालय राजभवन, जयपुर के पत्र क्रमांक एफ.ए. 1(43)/ आरबी /2016/6755 दिनांक 5 सितंबर, 2017 की अनुपालन में कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में स्वच्छता का संदेश प्रसारित करने के लिए 18 सितम्बर, 2017 से 2 अक्टूबर, 2017 तक ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान के तहत ''स्वच्छता पखवाड़ा'' मनाया गया। छात्रों ने इसके अंतर्गत महाविद्यालय के साथ–साथ आस–पास के क्षेत्रों की पूरे उत्साह से सफाई की। इस संबंध में, स्वच्छता गतिविधियों के लिए दिनवार कार्य योजना बनाई गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिभागियों ने महाविद्यालय, फार्म, छात्रावास, मेस, गेस्ट हाउस, अनुसंधान परिसर, महाविद्यालय को पूरी तरह से साफ करने का संकल्प लिया।

4.2.5.8 स्वच्छता ही सेवा दिवस का आयोजन

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में ''स्वच्छता ही सेवा'' दिवस का आयोजन दिनांक 02.10.2017 को किया गया जिसमें डा. एस. डी. रतनू, अधिष्ठाता मय सभी शिक्षक वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं छात्र व छात्राओं ने मिलकर साफ–सफाई की एवं खरपतवार पार्थेनियम (गाजर घास) को जड़ सहित उखाड़कर नष्ट किया। अधिष्ठाता महोदय ने सभी को अपने आस–पास, कक्षा तथा सार्वजनिक जगह पर साफ–सफाई रखने एवं खुले में शोच नहीं जाने हेतु आहवान कर समाज में स्वच्छता हेतु जागृति लाने का संदेश दिया।

4.2.5.9 राष्ट्रीय एकता दिवस (एकता के लिए दौड़) का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में 31.10.2017 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के स्मरणोत्सव पर राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया। ''एकता के लिए दौड़''

कार्यक्रम में, सहकर्मियों और साथियों के बीच अखंडता की भावना पैदा करने के लिए महाविद्यालय परिसर में एक छोटी मैराथन रैली में कर्मचारियों और कई छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर छात्रों ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने और देशवासियों के बीच इस संदेश को फैलाने के लिए प्रतिज्ञा ली।

4.2.5.10 कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन

भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्मदिन के अवसर पर कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में 3 दिसंबर, 2017 को कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि शिक्षा को बढ़ावा देना तथा मेधावी छात्र–छात्राओं को कृषि की ओर प्रेरित करना था। इस अवसर पर, डॉ. एच.पी. परेवा, सहायक आचार्य और महाविद्यालय के ए.डी.एस.डब्ल्यू. ने सभी छात्रों, कर्मचारियों का स्वागत किया और छात्रों को कड़ी मेहनत करने और किसान समुदाय के लाभ के लिए कृषि को व्यवसाय के रूप में शामिल करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एस. डी. रतनू, अधिष्ठाता ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कृषि के क्षेत्र की अपार संभावनाओं के बारे मे चर्चा की एवं छात्रों को समाज के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया।

4.2.5.11 विश्व मृदा दिवस का आयोजन

मृदा स्वास्थ्य के महत्व पर जागरूकता का संदेश फैलाने के उद्देश्य से 5 दिसंबर, 2017 को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया। डॉ. सीताराम कुम्हार, अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज), कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे। उन्होंने जैविक खाद और उर्वरक का समन्वित तरीके से उपयोग करके मृदा के स्वास्थ्य के सुधार पर जोर दिया। डॉ. एस. डी. रतनू, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा मृदा स्वास्थ्य दिवस एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व को उजागर किया। डॉ. एच. पी. परेवा सहायक प्रोफेसर (मृदा विज्ञान) और कार्यक्रम के समन्वयक ने मृदा स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी और उन्होंने मिट्टी एवं पानी के परीक्षण पर ज्यादा जोर दिया। उन्होंने मिट्टी का नमूना लेने के तरीके पर विस्तृत जानकारी भी दी।

4.2.6 छात्रोपयोगी सहशैक्षणिक गतिविधियां

4.2.6.1 विशेष अध्यापन का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के 50 छात्र–छात्राओं को प्रायोगिक रूप से परिचित करवाने हेतु दिनांक 21.05.2017 को एक विशेष अध्यापन सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान सिरोही जिले के रूखाड़ा गांव में एक प्रगतिशील किसान के

खेत का भ्रमण किया गया। छात्रों ने प्रायोगिक रूप से किसान के खेत पर जैविक खेती के बारे में अध्ययन किया। माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने अनार, साइट्रस केंकर और जैविक खेती पर व्याख्यान दिया।

4.2.6.2 विशेष व्याख्यान का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के दौरान डॉ. (श्रीमती) कमलेश सिंह, प्रोफेसर, मनोविज्ञान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली द्वारा मानव मूल्यों एवं नैतिकता पर दिनांक 14.08.2017 को विशेष व्याख्यान दिया गया। इसमें महाविद्यालय के करीब सभी छात्र–छात्राऐं उपस्थित रहे।

4.2.6.3 मानवीय मूल्य एवं नैतिकता पर व्याख्यान का आयोजन

माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह, द्वारा दिनांक 21.09. 2017 को बी.एस.सी. कृषि प्रथम वर्ष के छात्रों को विस्तृत में नये विषय मानवीय मूल्य एवं नैतिकता (जिसे इसी वर्ष भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की 5 वीं अधिष्ठाता कमेटी की सिफारिशों के आधार पर पाठ्यक्रम में सम्मलित किया गया है) पर व्याख्यान दिया एवं साथ ही इस विषय की आज के जीवन व शिक्षा आदि में किन कारणों से आवश्यकता पड़ी, इसके बारे में भी बताया ।

4.2.6.4 खेलकूद

महाविद्यालय में खेलकूद एवं एथलीट गतिविधियों के लिए व्यवस्था है। पूर्ण विकसित बास्केटबाल, वॉलीबाल एवं मल्टीजिम महाविद्यालय में आकर्षण का केन्द्र है। महाविद्यालय में फुटबाल एवं क्रिकेट के पूर्ण विकसित मैदान भी छात्रों के लिए उपलब्ध है।

4.2.6.4.1 चतुर्थ वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, (पाली) में चतुर्थ वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन 23 मार्च, 2017 को डॉ. हनुमान प्रसाद परेवा, विशेषाधिकारी और अध्यक्ष एवं आयोजन सचिव की देखरेख में किया गया। चौदह विभिन्न एथलेटिक्स खेल जैसे– 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400

मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, 1500 मीटर दौड़, लंबी कूद, ट्रिपल कूद, भाला फेंक, डिस्कस फेंक और इंडौर खेल जैसे शतरंज, बैडमिंटन आदि का आयोजन किया गया। व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर, बी. एस. सी. (ऑनर्स) कृषि तृतीय वर्ष के छात्र श्री मोहन लाल सोलंकी को सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरूष) और बी. एस. सी. (ऑनर्स) कृषि, द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री हंसा देवी सर्वश्रेष्ठ एथलीट (महिला) चुने गये।

4.2.6.4.2 अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 25 एवं 26 मार्च, 2017 को दो दिवसीय अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद परेवा, विशेषाधिकारी की देख रेख में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने किया। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, जोधपुर, नागोर एवं सुमेरपुर की टीमों ने भाग लिया। खेलकुद प्रतियोगिताऐं जैसे 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, 1500 मीटर दौड़ (लड़के), रिले दौड़, लंबी कूद, ट्रिपल कूद (लड़कों), डिस्कस थ्रो और शॉटपूट, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, शतरंज और टेबल टेनिस आदि का आयोजन किया गया।

खेलकुद प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर मुख्य अतिथि माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह विशेष अतिथि प्रोफेसर बी.एस. राठौर, डी.एस.डब्ल्यू., कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने विजेताओं और प्रतिभागियों को विभिन्न पदक, ट्राफियां और प्रमाण पत्र वितरित किए । श्री शैलेंद्र कुमार, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के छात्र को सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरुष) और छात्रा सुश्री हंसा देवी एवं सुश्री पूनम, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट पदक से सम्मानित किया गया।

4.2.6.5 छात्र प्लेसमेन्ट्स

कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर छात्रों के प्लेस्मेंट हेतु प्लेस्मेंट सेल कार्यरत है। इस वर्ष कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के 3 छात्रों श्री रणवीर, श्री जितेन्द्र कुमार यादव एवं सुश्री मिनाक्षी का गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर एवं केमिकल्स लिमिटेड, गुजरात में प्लेसमेन्ट हुआ।

4.2.7 सम्मान और पुरस्कार

महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन व योगदान के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा सम्मानित शिक्षक।

नाम	पद	पुरस्कार का विवरण
डॉ. एच.पी. परेवा एवं साथी	सहायक प्रोफेसर	2 फरवरी, 2017 को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं SIDA द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया।
डॉ एल.के. जैन एवं साथी	सहायक प्रोफेसर	2 फरवरी, 2017 फरवरी को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं SIDA द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया।

4.2.8 सम्मेलन, कार्यशाला, संगोष्ठी/सेमिनार एवं बैठकों में भागीदारी

डॉ. बी.एस. भीमावत, अधिष्ठाता, डॉ. एच. पी. परेवा, सहायक प्रोफेसर, श्री एल.के. जैन, सहायक प्रोफेसर एवं डॉ पी. सी. मीणा, सहायक प्रोफेसर ने दिनांक 1–2 फरवरी, 2017 को सोसाइटी फॉर इन्टिग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ एग्रीकल्चर (एसआईडीए) और कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

4.2.9 शिक्षण एवं प्रशिक्षण

विभिन्न लक्षित लाभार्थियों के लिए सूचना के प्रसार हेतु कृषि विभाग एवं आत्मा, राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के सहायक प्रोफेसरो के द्वारा व्याख्यान।

प्रशिक्षण का नाम	प्रशिक्षण की तरीख	लाभार्थी	प्रशिक्षण स्थान
अन्तःजिला कृषक प्रशिक्षण	10.11.2017 व 11.11.2017	कृषक वर्ग अनु. जनजाति	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर
अन्तःजिला कृषक प्रशिक्षण	15.11.2017 व 16.11.2017	कृषक वर्ग सामान्य	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर
अन्तःजिला कृषक प्रशिक्षण	19.11.2017 व 20.11.2017	कृषक वर्ग सामान्य	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर
अन्तःजिला कृषक प्रशिक्षण	24.11.2017 व 25.11.2017	कृषक वर्ग अनु. जनजाति	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर
अन्तःजिला कृषक प्रशिक्षण	07.12..2017 व 08.12.2017	कृषक वर्ग अनु. जनजाति	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर
अन्तःजिला कृषक प्रशिक्षण	14.12.2017 व 15.12.2017	कृषक वर्ग अनु. जाति महिला	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर
अन्तःजिला कृषक प्रशिक्षण	18.12.2017 व 19.12.2017	कृषक वर्ग अनु. जाति	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर
अन्तःजिला कृषक प्रशिक्षण	21.12.2017 व 12.12.2017	कृषक वर्ग सामान्य	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर
अन्तःजिला कृषक प्रशिक्षण	28.12.2017 व 29.12.2017	कृषक वर्ग अनु. जाति	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर

4.2.10 प्रकाशन

- पुस्तक अध्याय – 2
- शोध पत्र – 1
- लोकप्रिय लेख – 2
- सेमीनार – 3

अन्य वार्तालाप	संख्या	अधिकारी का नाम
दूरदर्शन वार्तालाप	02	डॉ. एस.डी. रतनू, अधिष्ठाता
दूरदर्शन वार्तालाप	05	डॉ. एच.पी. परेवा, सहायक प्रोफेसर
रेडियों वार्तालाप	01	डॉ. एच.पी. परेवा, सहायक प्रोफेसर

4.3 कृषि महाविद्यालय, नागौर

माननीय मुख्यमंत्री महोदया की बजट घोषणा वर्ष 2015–16 के बिन्दु संख्याः 77 की अनुपालना में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीन कृषि महाविद्यालय, नागौर की स्थापना की गई। वर्तमान में कृषि महाविद्यालय, नागौर में कृषि स्नातक के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में कुल 131 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं।

वर्तमान में यह महाविद्यालय राजकीय पॉलिटेकनिक कॉलेज, नागौर के भवन में संचालित किया जा रहा हैं। भवन निर्माण का कार्य आर.एस.आर.डी.सी. लि. द्वारा किया जा रहा है तथा इस वर्ष मार्च 2018 तक पूर्ण होने की संभावना है।

विश्वविद्यालय स्तर पर रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु आवश्यक कार्यवाही प्रक्रियाधीन हैं। वर्तमान में शिक्षण/अध्यापन कार्य विश्वविद्यालय की अन्य इकाइयों के शिक्षकों एवं गेस्ट फैकल्टी द्वारा सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा हैं।

4.3.1 स्वीकृत एवं रिक्त पदों का विवरण :

राज्य सरकार के पत्र क्रमांकः प. 4(25)कृषि–3/2015 दिनांक 29.07.2015 द्वारा नव–सृजित कृषि महाविद्यालय हेतु कुल 26 पदों की स्वीकृति जारी की गई हैं।

कृषि महाविद्यालय, नागौर के स्वीकृत शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों का विवरण

पदनाम	पदों का संख्या		
	स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
अधिष्ठाता/आचार्य	01	0	01
सह– आचार्य	02	0	02
सहायक आचार्य	10	0	10
पुस्तकालय सहायक	01	0	01
निजी सहायक	01	0	01
वरिष्ठ लिपिक (ग्रेड–1)	01	0	01
कनिष्ठ लिपिक (ग्रेड–2)	01	0	01
प्रयोगशाला सहायक	04	01	03
कृषि पर्यवेक्षक	01	0	01
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी/चौकीदार	04	0	04
कुल	26	01	25

4.3.2 महाविद्यालय के प्रमुख कार्य एवं वर्ष 2017–18 की प्रगति

महाविद्यालय का प्रमुख कार्य कृषि विज्ञान में शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ विद्यार्थियों का सम्पूर्ण विकास करना हैं। विद्यार्थियों के नियमित सम्बन्धित विषय के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कालांश संबंधित शिक्षक द्वारा लिए जा रहे हैं। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष (प्रथम सेमेस्टर 2017–18) सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परिक्षाऐं समय पर सफलता पूर्वक सम्पन्न की जा रही है। महाविद्यालय द्वारा छात्रों की शिक्षा सुचारू रूप से निष्पादित की जा रही हैं तथा छात्रों का प्रदर्शन उत्तम हैं। विद्यार्थियों द्वारा प्राप्तांकों की तालिका नीचे दी जा रही है।

कक्षा बी.एस.सी. (कृषि आनर्स)	विद्यार्थियों की संख्या				कुल विद्यार्थी
	प्राप्तांक प्रतिशत				
	50 से कम	50 से 59.99	60 से 74.99	75 प्रतिशत या अधिक	
प्रथम वर्ष	02	09	32	02	45
द्वितीय वर्ष	01	11	21	03	36

4.3.3 महाविद्यालय के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक कार्य के समदर्श वर्ष 2017–18 की प्रगति

- प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष बीएस.सी. (कृषि) के प्रथम छः माही (सेमेस्टर) की परीक्षाऐं पूर्ण हो चुकी हैं।
- कक्षा प्रतिनिधि का चयन अगस्त माह में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।
- विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाओं, तथ्यों इत्यादि की जानकारी से अवगत करवाने हेतु हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्र एवं पत्रिकाऐं भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं।
- शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य हेतु एल.सी.डी. प्रोजेक्टर का उपयोग कर पावर–पाईन्ट प्रेजेन्टेशन द्वारा शिक्षण कार्य करवाया जा रहा हैं।
- कम्प्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना कर विद्यार्थियों को कंम्प्यूटर शिक्षा का ज्ञान प्रदान करवाया जा रहा है।
- बच्चों के शारीरिक विकास हेतु खेल कूद का सामान वितरीत किया जाता है।
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के माध्यम से महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा पौध रोपण करवाया गया एवं समय–समय पर परिसर में सफाई अभियान चलाया गया ।
- माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह द्वारा विद्यार्थियों को समय–समय पर कृषि शिक्षा के भविष्य की संभावनाओं पर व्याख्यान् दिये गये।

4.3.4 सार संक्षेपः

महाविद्यालय में शैक्षणिक व गैर–शैक्षणिक पदों के रिक्त होने के उपरांत भी अन्य महाविद्यालय एवं विभागों से शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सेवाऐं लेकर शिक्षण कार्य सफलता पूर्वक संपन्न किया गया।

4.3.5 कृषि डिप्लोमा संस्थान, नागौर

इस वर्ष कृषि डिप्लोमा संस्थान, नागौर में कुल 19 विद्यार्थियों द्वारा डिप्लोमा कोर्स पूर्ण कर लिया गया हैं।

शैक्षणिक सत्र 2015–16 से इस संस्थान में नये विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिया गया हैं तथा शैक्षणिक सत्र 2015–16 से राज्य सरकार एवं अकादमिक परिषद् की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार शून्य माना गया। वर्तमान में यह संस्थान कृषि महाविद्यालय, नागौर के साथ संचालित किया जा रहा हैं। पूर्व में संस्थान लाडनुं–नागोर में संचालित किया जा रहा था।

4.3.5.1 स्वीकृत एवं रिक्त पदों का विवरण

पद	पदों की संख्या	भरे हुए पद	रिक्त पद
प्रिंसीपल	1	1*	1
व्याख्याता	4	0	4
प्रयोगशाला सहायक	1	0	1
कृषि पर्यवेक्षक	1	0	1
वरिष्ठ/कनिष्ठ लिपिक	2	0	2
चतुर्थ श्रैणी कर्मचारी	2	0	2
कुल योग	11	0	11

*अतिरिक्त कार्यभार

5. प्रकाशन

5.1 शोध पत्र

1. Khan, I.U., Mehriya, M. L. Rathore, B. S., Kumhar, S. R. and Singh, B. 2017. Evaluation of volatile phytochemical constituents in cumin (*Cuminum cyminum*) genotypes by gas chromatography-mass spectroscopy. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry.* 6 (3) 768-773.
2. Choudhary, Santosh, Choudhary, B.R. and Kumhar, S.R. 2017. Genetic variability in the garlic genotypes for growth, yield and yield attributing traits. *Annals of Plant and Soil Research* 19 (1): 115 – 120.
3. Kalam, U. and Lal, Banwari. 2017. Parents' Attitude towards Girls' Education: A Scale to Measuring the Attitude of The Parents. *Advance Research Journal of Social Science* 8 (2): 353-359.
4. Kalam, U. and Lal, Banwari. 2017. Borrower to self-reliant: A success story of Kalka Devi Self Help Group in Thar Desert of Jaisalmer. *Agriculture for Sustainable Development* 5 (2).
5. Jain, L.K. and Parewa, H.P. (2017). Management of Agronomical constraints for enhancing seed spices production in Rajasthan. *International Journal of Seed Spices*. Vol. 7 (2): 87-92.

5.2 सारांश पुस्तकें / सार–संक्षेप पत्र

1. Mehriya, M.L., Kumhar, S.R., Ram, Moola, Shukla, U.N. and Khan, I.U. 2017. Book of Lead Papers and Abstracts. National seminar "Research and Developmental Advances in Spices, Medicinal & Aromatic Crops Cultivation, Processing and Trade for Prosperity of Indian Farmers. Society for Integrated Development of Agriculture (SIDA), Jodhpur.
2. Shukla, U.N., Mishra, M.L. and Raiger, P.R. (2017). Bhumi amla (*Phyllanthus niruri*): A magical medicinal plant. National seminar on Research And Developmental Advances In Spices, Medicinal And Aromatic Crops Cultivation, Processing And Trade For Prosperity of Indian Farmers, February 1-2, 2017, Agriculture University, Jodhpur, p:277.
3. Choudhary, Santosh, Choudhary, B.R. and Kumhar, S.R. 2017. Genetic variability in the garlic genotypes for growth, yield and yield attributing traits. In: Souvenir, "Research and Developmental Advances in Spices, Medicinal & Aromatic crops cultivation, processing and Trade for Prosperity of Indian Farmers", 1-2nd, February, 2017 at ARS, Agriculture University, Jodhpur.pp-148.
4. Parewa, H.P., Jain, L.K., Bhimawat, B.S., Meena, P.C. and Choudhary, A. (2017). Plant growth promoting rhizobacteria (PGPR) cooperation in the rgizosphere of seed spices. National seminar on "Research and developmental advances in Spices, Medicinal and Aromatic crops cultivation, processing and trade for prosperity of Indian Framers" February 1-2, 2017, Agriculture University, Jodhpur, India, pp.202.
5. Meena, P.C., Parewa, H.P., Bhimawat, B.S., Jain, L.K. and Bairwa, K.C. (2017). Harnessing the potentials of seed spices in the Indian economy. National seminar on "Research and developmental advances in Spices, Medicinal and Aromatic crops cultivation, processing and trade for prosperity of Indian Framers" February 1-2, 2017, Agriculture University, Jodhpur, India, pp.309.
6. Jain, L.K., Parewa, H.P., Bhimawat, B.S. and Meena, P.C. (2017). Status of fenugreek cultivation in Pali district of Rajasthsn. National seminar on "Research and developmental advances in Spices, Medicinal and Aromatic crops cultivation, processing and trade for prosperity of Indian Framers" February 1-2, 2017, Agriculture University, Jodhpur, India, pp.316.

5.3 पुस्तक अध्याय

1. Choudhary, Santosh, Kumar, Pradeep and Mehriya, M. L. 2017. Organic Fruit Production: Technologies and Strategies. *Towards Organic Agriculture*: 225-242.

2. Jain, L.K. (2017). Remote Sensing Techniques and Its Application in Arid Zones of India. In: Remote Sensing Techniques and GIS Applications in Earth and Environmental Studies (*Eds.* Abhisek Santra and Shreyashi Santra Mitra. 2017). IGI Global. Information Science Reference (an imprint of IGI Global) Hershey, Page No. 193-211.

3. Jain, L.K. (2017). Scenario of Quality Potato Production in Rajasthan. In: Sustainable Potato Production and the Impact of Climate Change (Eds. Sunil Londhe. 2017). IGI Global. Information Science Reference (an imprint of IGI Global) Hershey, Page No. 152-168.

5.4 तकनीकी बुलेटीन

1. Shukla, U.N.2017. A practical manual on Field Crops-II (Rabi). College of Agriculture, Jodhpur. Publication No. CoA/MND/05/2017.

2. Lal, Banwari. 2017. A practical manual on Visual Graphics and Communications. Publication No. COA/MND/06/2017.

3. Choudhary, Santosh, Nirmala and Choudhary, B.R. 2017. Keet Avrodhi Net House Me Kheera Utpadan. Directorate of Research, AU, Jodhpur, Technical bulletin, pp 1-34.

5.5 फोल्डर्स

1. Mehriya, M.L., Rathore, B.S. and Kumhar, S.R. 2017. Beejiy Masalo ki Unnat Kheti (Hindi). Krishi Anusandhan Kendra, Mandor

2. Kumhar, S.R., Rathore, B.S. and Mehriya, M.L. 2017. Isabgol ek Aushdhiy Fasal (Hindi). Krishi Anusandhan Kendra, Mandor

3. Mehriya, M.L., Bhardwaj, R.L., Sundria, M.M. and Kumhar, S.R. 2017. Mirch ki Jaivik Kheti (Hindi). Krishi Anusandhan Kendra, Mandor

5.6 तकनीकी / लोकप्रिय प्रकाशित लेख

1. Mishra, M.L. and Shukla, U.N. 2017. Quinoa: A crop for healthy life. *Agriculture World* 3 (1): 40-45.

2. Shukla, U.N., Mishra, M.L. Lal, B. and Raiger, P.R. 2017. Jau: Ek aushadhiyein gun wali fasal ki kheti. *Star Krishi* V (5): 5-11.

3. Mishra, M.L., Shukla U.N., Lal, B. and Bairwa, K.C. 2017. Oyster mushroom ki kheti: Prakriya evam aushadhiya upyog. *Star Krishi* V (4): 13-15.

4. Kalam, U. and Lal, Banwari. 2017. Suchana Pradhyogiki ka Mahetva Aur_Prabhav: *Haldhar Times* 12 (49): 5

5. Kalam, U. and Lal, Banwari. 2017. Kishor Avastha aur Krishak Mahilayen. *Haldhar Times* 12 (47): 5

6. Lal, Banwari, Kalam, U. and Jain, L.K.2017. Sanchar ka Krishi mai Mahetva. *Kisan Kheti* 1 (3): 86-87.

7. Kumari, Anop and Choudhary, Santosh. 2017. Tuberose ke Kheti (Hindi). *Madhya Bharat Krashak Bharti*, July. Pp 30.

8. Kumari, Anop and Choudhary, Santosh. 2017. Chhat par lagaye sabjio ka bagicha. July-September. *GSFC Krishi Jeevan*. Pp 18-19.

9. Kumari, Anop and Choudhary, Santosh. 2017. Audhanik taknek se Sawasthak podh utpaadan (Hindi). *Madhya Bharat Krashak Bharti*, October. Pp 32.

10. Jain, L.K., Kumar, H., Choudhary, A., Parewa, H.P. and Meena, P.C. (2017). Impact of crop rotation on weed management. *Rashtriya Krishi*, 12(2): 68-69.

11. Meena, P.C., Meena, Prem C., Parewa, H.P., Choudhary, A. and Kumar, H. (2017). Problem and prospects of dairy industry in India. *Rashtriya Krishi*. Vol. 12(2): 83-86.

12. Meena, P.C., Meena, Prem C., Rathore, R.K., Jain, L.K. and Choudhary, A. (2017). RUDSETI: A perfect avenue for entrepreneurial training in agriculture and allied fields for rural youth. *Rashtriya Krishi*. Vol. 12(2): 30-33.

13. Meena, P.C. and Meena, Prem C. (2017). Role of women in agriculture as farmer and labour: An empirical evidences of farm women involvement in agriculture operations in Jaipur district of Rajasthan state. *Agriculture Update*. Vol. 12(3): 409-414.

14. Meena, P.C., Meena, Prem C. and Jain, L.K. (2017). Consumption behaviour of rural households: A micro level study of Rajasthan. India. *Agriculture Update*. Volume 12(3): 502-508.

15. लोकेश कुमार जैन (2017). सफल फसल उत्पादन हेतु उपलब्ध समय का समुचित उपयोग। कृषक आराधना, 2017: पृष्ठ संख्याः 7

16. लोकेश कुमार जैन (2017). मूंग की उन्नत खेती–फसल एक फायदे अनेक। खेती अगस्त 2017. पृष्ठ संख्याः 40–43.

17. Kalam, U. and Lal, Banwari. 2017. Rain water Harvesting: utmost need of Thar desert. *Rashtriya Krishi* 12 (2).

5.7 अन्य प्रकाशन

1. Parewa, H.P. and Jain, L.K. (2017). Course Curriculum for B.Sc. (Hons.) Ag. Agriculture University Jodhpur.

6. पुरस्कार एवं सम्मान

1. Dr. Santosh Choudhary, Asstt. Prof. (Hort.), COA, Mandor, Jodhpur awarded ***Best Oral Presentation*** entitled "Genetic variability in the garlic genotypes for growth, yield and yield attributing traits" in National Seminar "Research and Developmental Advances in Spices, Medicinal & Aromatic crops cultivation, processing and Trade for Prosperity of Indian Farmers "held at AU, Jodhpur from February 1-2nd, 2017.

अन्तरराष्ट्रीय कोष दल ने किया कृषि विवि का भ्रमण

जोधपुर. कृषि विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय कोष दल तथा अंतरराष्ट्रीय अर्द्ध-शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों के लिए फ सल अनुसंधान संस्थान, इक्रीसेट के एक दल ने शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस अवसर पर विवि के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने रोम व इक्रीसेट से आए तकनीकी दल को कृषि विश्वविद्यालय में किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान, शिक्षा एवं प्रसार कार्यों की जानकारी दी तथा एम्पॉवर परियोजना के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय की ओर से किए जा रहे तकनीकी योगदान की भी जानकारी दी। कुलपति डॉ. सिंह ने दल के सदस्यों को पश्चिमी राजस्थान में भविष्य में कृषि के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों व संभावनाओं के विषय में भी तकनीकी जानकारी दी । इस अवसर पर कृषि विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय कोष और कृषि विश्वविद्यालय साथ मिलकर भविष्य में कृषि विकास पर कैसे कार्य कर सकते हैं, के प्रारूप पर भी चर्चा की गई। विवि के डॉ. एमएल महरिया ने बताया कि उक्त भ्रमण दल के सदस्यों में मुख्य तकनीकी विशेषज्ञ डॉ माल् मोइयां , एशिया व प्रशांत क्षेत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विन्सिंट डॉरलोग, कृषि विकास हेतु अंतराष्ट्रीय कोष, मुख्यालय रोम-इटली के अतिरिक्त इक्रीसेट से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक, ए परियोजना के प्रो. डॉ बीके द्विवेदी, डॉ जेएस मेडतिया सहित कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के निदेशक अनुसंधान, डॉ बीआर चौधरी, निदेशक शिक्षा डॉ बीएस राजपुरोहित आदि उपस्थित थे।

पत्रिका Sun, 18 June 2017

दूसरे राज्यों की निर्भरता होगी समाप्त...

किसान नहीं रहेंगे मोहताज, अब अपना मारवाड़ बनेगा सरताज

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

मण्डोर स्थित कृषि विश्वविद्यालय ने तैयार किया बाजरा का हाईब्रिड बीज

अब तक आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र व गुजरात से आता था बीज

प्रदेश में बाजरे के हाईब्रिड बीज का प्रयोग सफल

विवि ने किया 22 हैक्टेयर में उत्पादन

हाईब्रिड बीज में अधिक तापमान सहन करने की शक्ति

[illegible]

90 फीसदी बीज निजी कंपनियों का

[illegible]

ज्यादा पानी व दवाओं से घटता कृषि उत्पादन

कृषि विश्वविद्यालय में किसान मेले का आयोजन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

कृषि अनुसंधान केंद्र मंडोर में आयोजित किसान मेले को संबोधित करती विधायक सूर्यकांता व्यास।

जोधपुर. कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर की ओर से कृषि अनुसंधान केन्द्र मंडोर में आत्मा परियोजना के तहत एक दिवसीय किसान मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक सूरसागर सूर्यकांता व्यास ने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि की नवीनतम जानकारी लेकर नई तकनीक से खेती करें और खेती से लाभ प्राप्त करें। मेले के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. जया दवे अध्यक्ष राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं राज्यमंत्री ने की। किसान मेले के आयोजक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह किसानों को कृषि के क्षेत्र में वर्तमान में देश की स्थिति के बारे में अवगत कराया।

किसानों को मिला इनाम : आत्मा परियोजना के निदेशक दयाल सिंह चौधरी ने कहा कि संभाग के स्तर पर संभवतः अगले वर्ष ग्राम जयपुर की तर्ज पर फरवरी 2018 में तीन दिवसीय किसान मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले के विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधान शैलाराम सारण ने कहा कि किसान मेले में अपनी कृषि से सम्बन्धित समस्याओं को लेकर आएं तथा मेले से जाते हुऐ कृषि नवाचार को साथ लेकर जाएं। विशिष्ट अतिथि काजरी के निदेशक डॉ ओ पी यादव ने कहा कि ज्यादा पानी, ज्यादा खाद व ज्यादा दवाइयों के प्रयोग से अधिक उत्पादन की बजाय उत्पादन कम से कमतर होता जा रहा है। नाबार्ड के जिला विकास अधिकारी रमाणी ने किसानों को नाबार्ड की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। विजेता काश्तकारों को पुरस्कार दिए गए तथा 200 किसानों को केरीबेग प्रदान किए गए। मेले में प्रगतिशील 30 किसानों को प्रशस्ति पत्र एवं 10 हजार रुपए राशि किसानों के बैंक खाते में आत्मा योजना के अंतर्गत प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निदेशक अनुसंधान डॉ बी आर चौधरी, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर डॉ. बीएस भीमावत, निदेशक शिक्षा डॉ. बीएस राजपुरोहित, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय मंडोर के डॉ. वी एस जेतावत सहित वैज्ञानिक व कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पत्रिका Wed, 08 February 2017

जल संरक्षण कर खेती करें किसान

कृषि विवि में आयोजित किसान मेले में अतिथि।

जोधपुर @ पत्रिका. आज पानी की कमी खेती में सबसे बड़ी समस्या है। इसलिए किसानों को जल संरक्षण करते हुए खेती करना चाहिए। यह बात नाबार्ड अध्यक्ष डॉ. हर्षकुमार भनवाला ने कही। वे कृषि विश्वविद्यालय और और कृषि विभाग (आत्मा) के तत्वावधान में शुक्रवार को मंडोर स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र में आयोजित वृहद किसान मेले में बतौर मुख्य अतिथि उद्बोधन दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि किसानों को कम पानी में सूक्ष्म सिंचाई का तरीका अपनाना चाहिए। इससे पूर्व नाबार्ड अध्यक्ष ने विश्वविद्यालय के बीज प्रक्षेत्र खेत का भ्रमण कर अनुसंधान कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की। मेले की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराजसिंह ने की। विशिष्ट अतिथि नाबार्ड जयपुर के मुख्य महाप्रबंधक डॉ एके सिंह, काजरी निदेशक डॉ. ओपी यादव, भाजपा किसान मोर्चा के महामंत्री शैलाराम सारण, प्रगतिशील किसान रतनलाल डागा व कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक बीके पांडेय थे। आत्मा परियोजना निदेशक हरीश मेहता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पत्रिका Sat, 16 September 2017
epaper.patrika.com//c/22192240

कृषि वैज्ञानिक भाभा अनुसंधान केंद्र के साथ मिलकर करेंगे रिसर्च

कृषि विवि और भाभा आणविक अनुसंधान केन्द्र के बीच सैद्धांतिक रूप से करार

जोधपुर. मण्डोर स्थित कृषि विश्वविद्यालय और भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, ट्राम्बे, मुंबई के बीच सैद्धांतिक रूप से करार किया गया है। पश्चिमी राजस्थान क्षेत्र के अनुरूप फ सल सुधार की संभावनाओं के मद्देनजर अनुसंधान व शिक्षा के क्षेत्र में करार करने पर अनुसंधान केन्द्र के साथ सैद्धांतिक रूप से सहमति हुई। इस करार के तहत दोनों संस्थान फसल सुधार तकनीकों के विकास, स्नातकोत्तर छात्रों के अनुसंधान कार्यों पर आपसी सहयोग करेंगे। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने बताया कि इस संबंध में भाभा केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के दल ने बुधवार को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान, कृषि विवि के कुलपति डॉ. सिंह ने विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न क्षेत्रों की गतिविधियों, जिनमें शिक्षा, कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा और आधारभूत विकास कार्यों आदि से वैज्ञानिकों को अवगत कराया। भाभा केन्द्र के दल में समूह निदेशक बायो साइंस डॉ. एस चट्टोपाध्याय, कृषि व जैव प्रौद्योगिकी विभाग आणविक के अध्यक्ष डॉ. वीपी वेणुगोपाल व वैज्ञानिक डॉ. संजय जाम्बेकर शामिल थे। वहीं कृषि विवि की ओर से विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ बीआर चौधरी, निदेशक शिक्षा, डॉ बीएस राजपुरोहित, निदेशक मानव संसाधन डॉ. ईश्वरसिंह और क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ एस आर कुमार सहित कई वैज्ञानिक उपस्थित थे।

पत्रिका Fri, 28 July 2017
epaper.patrika.com//c/2

जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय में रिसर्च सफल, कई बीमारियों में कारगर है तुलसी प्रजाति का पौधा...

मैक्सिको की 'चिया' राजस्थान में

पत्रिका एक्सक्लूसिव

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जोधपुर. मण्डोर स्थित कृषि विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान केन्द्र पर चक्रिय को सुपर फूड कही जाने वाली पौष्टिकता व गुणवत्तायुक्त फसलों पर रिसर्च किया जा रहा है। इनमें चिया, क्विनोवा, ड्रेगन फ्रूट, असालिया, राजगिरा आदि प्रमुख है। इन्हीं फसलों में चिया की खेती को पनपाने के लिए मण्डोर स्थित कृषि विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान पर हुए रिसर्च के सकारात्मक परिणाम सामने आए है। यह तुलसी प्रजाति का ही एक पौधा है, इसके बीज औषधीय गुणों से भरपूर होते है। 16वीं शताब्दी में इस पौधे की पहचान साउथ मैक्सिको में की गई। वर्तमान में इसकी खेती प्राग्वे, बोलविया, अर्जेंटीना, मैक्सिको व ग्वाटेमाला में की जा रही है।

100 ग्राम बीज से पोषण

ओमेगा 3	17.6 ग्राम
प्रोटीन	16.54 ग्राम
कैल्शियम	6.31 मिग्रा
आयरन	7.72 मिग्रा
मैग्नीशियम	2.72 मिग्रा
फॉस्फोरस	860 मिग्रा
पोटेशियम	407 मिग्रा
सोडियम	16 मिग्रा
जिंक	4.58 मिग्रा

मण्डोर कृषि विश्वविद्यालय में कृषि अनुसंधान केन्द्र में लगे चिया के पौधे।

सही मार्केटिंग मिलना जरूरी

औषधीय पादप अनुसंधान के तहत चिया के पौधे लगाए गए हैं और रिसर्च किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम आए हैं। 1 हजार रुपए प्रतिकिलो बिकने वाली औषधीय फसल चिया की सही मार्केटिंग हो जाए तो प्रदेश के किसानों को इसकी खेती करने का सुनहरा मौका मिलेगा।
-डॉ. बीआर चौधरी,
अनुसंधान निदेशक, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

उच्च गुणवत्तायुक्त फाइबर

चिया सीड्स के दो महत्वपूर्ण गुण है। इनमें उच्च गुणवत्ता वाला फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। दूसरा यह शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखने में सहायक होते है। इन गुणों के चलते ये बीज शरीर की अंदरूनी ताकत को बनाए रखने और सुधारने में सहायक सिद्ध होते हैं। इनमें प्रोटीन, फाइबर तथा ओमेगा 3 भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

इन बीमारियों में उपयोगी

चिया बीज का उपयोग मोटापा व कोलेस्ट्रॉल को घटाने, हृदयरोग तथा कैंसर से बचाव, तंत्रिका तंत्र को मजबूत करने, शरीर का तापमान स्थिर रखने, दांत व हड्डियां मजबूत करने में किया जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार चिया के बीजों में ओमेगा 3 ऑयल होता है, जो हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को शरीर से बाहर निकालता है।

ऐसा होता है पौधा

चिया का पौधा करीब पौने दो मीटर लंबा होता है, इसकी पत्ती 4-8 सेमी लंबी, 3-5 सेमी चौड़ी होती है। बीज 1 एमएम आकार का होता है। बीज का रंग भूरा, सफेद, व और काला होता है। यह 100-150 दिन की फसल है। प्रति हैक्टेयर उत्पादन 450-1250 किग्रा है। इसे बढ़ाकर 2300 किग्रा तक ले जा सकते है। खेत में बीज बुवाई के समय कतार से कतार की दूरी 7-8 मीटर रखी जाती है।

खुशखबर

जोधपुर की मिर्च-मेथी अब फंगस से सुरक्षित

पत्रिका एक्सक्लूसिव

अमित दवे
rajasthanpatrika.com

वॉकिंग टनल तकनीक से तैयार होती मिर्च की उपज तथा हाई टनल तकनीक से तैयार होती मेथी की फसल। पत्रिका

जोधपुर. विश्व प्रसिद्ध जोधपुर की मिर्च अब फंगस के कारण रिजेक्ट नहीं हो सकेगी। मिर्च में फंगस की वजह होने के कारण पिछले कुछ समय से निर्यात में परेशानी आ रही थी, इस वजह से टेस्टिंग के दौरान कंटेनर्स रिजेक्ट कर दिए जाते थे, लेकिन मिर्च में फंगस की परेशानी अब दूर होगी। इसके लिए मण्डोर स्थित कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने तकनीक ईजाद की है। वॉकिंग टनल व हाई टनल तकनीक से फंगस रहित मिर्च तैयार होगी। इस तकनीक का परीक्षण मण्डोर स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र पर किया जा रहा है, जिसके परिणाम सकारात्मक रहे है। निश्चित ही यह पश्चिमी राजस्थान में जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, जालोर आदि जिलों के मसाला उत्पादक किसानों के लिए खुशखबर है।

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले जिलों में मसाला उत्पादक किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या सिंचाई और बिजली की है। विश्वविद्यालय ने फसल की प्रति हैक्टेयर लागत घटाने और उत्पादन के साथ गुणवत्ता की वृद्धि के लिए यह तकनीक विकसित की है, जो किसानों की आय बढ़ाने में कारगर साबित होगी। विकसित तकनीक में मिर्च-मेथी सहित अन्य मसाला फसल में वॉकिंग टनल तकनीक है। इस तकनीक में बिजली की खपत बिल्कुल नहीं है।

5 दिन में सूख जाएगी मिर्च

[illegible]

सस्ती तकनीक

[illegible]

इनका कहना है

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मिर्च व मेथी की फसलों के लिए वॉकिंग व हाई टनल तकनीक विकसित की है। [illegible]
-डॉ. बलराज सिंह,
कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

पत्रिका Sat, 11 March 2017
epaper.patrika.com//c/17468367

आयोजन — इंदावड़ में हुआ कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनेक गांवों से पहुंचे किसान

मसाला फसलों के उत्पादन का दिया प्रशिक्षण

भास्कर संवाददाता | मेड़ता सिटी

इन्दावड़ में बुधवार को केंद्र के सुपारी मसाला विकास विभाग और कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर की ओर से किसानों को मसाला फसलों के उत्पादन को लेकर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने किसानों को मसाला फसलों से होने वाले मुनाफे की जानकारी दी।

साथ ही किसानों को बताया कि यह कम समय में पकने वाली फसल है जो किसानों को न केवल फायदा पहुंचाती है बल्कि इसकी डिमांड ज्यादा होने से किसानों को आर्थिक मुनाफा भी होता है। इस मौके पर जोधपुर कृषि विवि के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ. सीताराम कुम्हार ने ... सर्वाधिक मसाला उत्पादन क्षेत्र है। इसके अलावा कीट रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.एस सुंदरिया ने कीटों से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी।

सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. तख्तसिंह राजपुरोहित ने बीजीय मसालों में होने वाली विभिन्न बीमारियों की जानकारी दी। सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र सिंह चावड़ा ने मिट्टी जांच की उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने किसानों से मृदा स्वास्थ्य कार्ड लेने की अपील भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता इन्दावड़ सरपंच नंदाराम मेहरिया ने की। इस दौरान मेहरिया ने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि वैज्ञानिकों की ओर से यहां बताई गई तकनीक को समझें और अधिकाधिक तादाद में मसाला फसलों ...

बाजरे की संकर किस्म की जानकारी ली

जोधपुर @ पत्रिका. केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने रविवार को मण्डोर स्थित कृषि विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। उन्होंने प्रक्षेत्र फार्म का भ्रमण कर विभिन्न फसलों पर किए जा रहे प्रयोगों की जानकारी ली। बाजरा परियोजना के अनुसंधान प्रक्षेत्र इकाई पर बाजरे की संकर किस्मों का गहनता से अवलोकन किया। विवि के डॉ. एमएल महरिया ने बताया कि इस अवसर पर परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. भास्कर (एनआरएम), काजरी के निदेशक डॉ. ओपी यादव, विवि के निदेशक अनुसंधान डॉ. बीआर चौधरी सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी उपस्थित थे।

पत्रिका Mon, 14 August 2017 epaper.patrika.com//c/21428

'किसान के विकास से ही देश का विकास संभव'

जोधपुर कृषि विवि का कुलगीत बनकर तैयार...

महकेगी प्रदेश की विरासत, गूंजेगी मारवाड़ की आन-बान और शान

छह महीने लगे

विद्यार्थी होंगे रू-ब-रू

इनका कहना है

पत्रिका Sat, 04 November 2017 epaper.patrika.com//c/23

कृषि विवि ने मनाया संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस...

भारत को मिले सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता

संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस के आयोजन में उपस्थित कृषि विवि कुलपति और अन्य।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

जोधपुर. मण्डोर स्थित कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. ... राज सिंह ने कहा कि आज ... जैसे बड़े लोकतंत्र की ... का भी संयुक्त राष्ट्र संघ में ... महानिदेशक के महत्वपूर्ण पद भारतीय महिला डॉ. सौम्या स्वामीनाथन की नियुक्ति हुई। इसी प्रकार से अन्य संगठनों में भारत की भूमिका एवं सहभागिता बढ़ती जा रही है। समय आ गया है कि सुरक्षा परिषद में भी भारत को स्थाई सदस्यता मिले। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ आज विभिन्न दिवसों का आयोजन हर वर्ष करता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्देशानुसार वर्ष 2015 को अंतरराष्ट्रीय मृदा दिवस तथा वर्ष 2016 को अंतरराष्ट्रीय दलहन वर्ष के रूप में मनाया गया। विवि के कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएल मेहरिया ने बताया कि कई वक्ताओं ने भी संबोधित किया। संचालन व ...

कम्प्यूटर शिक्षा जरूरी : सिंह

मथानिया @ पत्रिका. जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. बलराज सिंह ने कहा कि आधुनिक युग में कम्प्यूटर शिक्षा जरूरी है। शिक्षण की हाईटेक तकनीक से ही बच्चों को सीखने में मदद मिलती है। कुलपति शुक्रवार दोपहर क्षेत्र के नेवरा रोड सीनियर विद्यालय में स्मार्ट कक्षा-कक्ष का उद्घाटन समारोह में बच्चों व ग्रामीणों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांवों में भी प्रतिभाओं की कमी नहीं है। स्मार्ट क्लास रूम की सुविधा होने से अब गांव के बच्चे भी हाईटेक तकनीकी शिक्षा पद्धति से जुड़ेंगे। समारोह में शिक्षा प्रसार निदेशक प्रो. वीएम भीमावत ने स्मार्ट बोर्ड आईआईएफएल फाउंडेशन मुम्बई की ओर से नेवरा रोड में लगाए स्मार्ट क्लास की उपयोगिता महत्व पर प्रकाश डाला। कुलपति सिंह ने नेवरा रोड बिगमी गांव की नाडियों व तालाबों का भी अवलोकन करके जल स्वावलंबन, पौधारोपण इत्यादि कार्यों को देखा।

मूंग-मोठ के करीब एक हजार क्विंटल बीज का होगा उत्पादन

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पाली मारवाड़ नवज्योति

पाली, सुमेरपुर, सांडेराव, देसूरी, सोजत, बांजाकुड़ी

विश्वविद्यालय के प्रयासों से बाजरा एमपीएमएच-17 संकर बीज हुआ तैयार

अब किसानों की आय होगी दुगुनी

बाजरा एम.पी.एम.एच.-17 संकर बीज का महत्व व उपयोगिता

फसल सुधार को लेकर कृषि विश्वविद्यालय व भाभा आणविक अनुसंधान कैंद्र के बीच हुआ करार

जोधपुर. भाभा आणविक अनुसंधान केंद्र, ट्रांबे, मुंबई के वैज्ञानिकों के एक दल ने कृषि विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। पश्चिमी राजस्थान में क्षेत्र के अनुरूप फसल सुधार की संभावनाओं को लेकर अनुसंधान व शिक्षा के क्षेत्र में भाभा आणविक अनुसंधान केंद्र, ट्रांबे, मुंबई के साथ एक करार पर सहमति हुई। दल में डॉ. एस चट्टोपाध्याय, समूह निदेशक, बायो साइंस, डॉ. वीपी वेणुगोपल, आणविक कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष तथा डॉ. संजय जांबोकर, वैज्ञानिक अधिकारी शामिल थे। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने क्षेत्रों की विभिन्न गतिविधियों जिनमें शिक्षा, कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा, आधारभूत विकास कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. बीआर चौधरी, डॉ. बीएस राजपुरोहित निदेशक मानव संसाधन, डॉ. ईश्वर सिंह, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसआर कुम्हार सहित वैज्ञानिक उपस्थित थे।

राजस्थान मसालों व औषधीय पौधों की जन्मभूमि

कृषि विश्वविद्यालय में मसालों, औषधीय व सुगंधित फसलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

मण्डोर स्थित कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

जोधपुर. संसदीय सचिव भैराराम सियोल ने कहा कि राजस्थान मसालों व औषधीय पौधों की जन्मभूमि है। राजस्थान के मसाले विश्व प्रसिद्ध हैं। कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर, सीड्स व सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय, कालीकट (केरल) के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को ... हुई। इस अवसर पर सियोल ने पश्चिमी राजस्थान में मसालों के उत्पादन व इतिहास पर प्रकाश डाला। ... विशेषज्ञों ने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया गया। मसालों, औषधीय व सुगंधित पौधों के जनन ... मसालों, औषधीय व सुगंधित पौधों के अंतर्गत क्षेत्रफल, उत्पादन, उत्पादकता, गुणवत्ता व विदेश व्यापार का लेखाजोखा प्रस्तुत ... प्रस्तुतीकरण दिया। दूसरा तकनीकी सत्र फसलों के उत्पादन में नई प्रौद्योगिकियों के विकास एवं उनके ... गए शोधपत्रों में से सर्वश्रेष्ठ शोध पत्रों के विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान बाहर ...

सुपर फूड पर रिसर्च करेगा कृषि विवि

पत्रिका एक्सक्लूसिव

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत सुपर फूड सहित अन्य अनुसंधानों के लिए मिले 34 करोड़ के प्रोजेक्ट

पहली बार इतनी राशि

इन फसलों पर होगा काम

इनपर होगा काम

- ₹76.85 लाख
- ₹195.96 लाख
- ₹91.91 लाख
- ₹130.38 लाख
- ₹108.49 लाख
- ₹162.61 लाख

इंफ्रास्ट्रक्चर के काम

- ₹1360.47 लाख
- ₹743.36 लाख
- ₹117.16 लाख

पत्रिका Sat, 04 March 2017 epaper.patrika.com//c/17295111

नवाचार व यांत्रिक उपयोग से खेती में युवा ला सकते हैं क्रांति : डॉ. बलराज

इंटरव्यू : कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति डॉ. बलराजसिंह ने कहा-खेती में जोखिम और उचित मूल्य नहीं मिलने से युवा पीढ़ी हो रही विमुख

ललित शर्मा | जयपुर

देश में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे तक जोर दे रही हैं। लेकिन सवाल यह है कि जोत आखिर बढ़े कैसे? किसानों के खेत छोटे होते जा रहे हैं। असंतुलित रसायनिक उर्वरकों के उपयोग व लगातार अकाल की स्थिति से उत्पादन पर असर आ रहा है। इन समस्याओं का समाधान क्या हो सकता है और कैसे किसान की आय दुगुना करने के प्रयासों को बढ़ावा दिया जा सकता है, इन्हीं सवालों पर जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह से बातचीत कर समाधान ढूंढने का प्रयास किया गया है। युवा पीढ़ी के खेती से विमुख होने पर उन्होंने भी चिंता जताई, लेकिन यह सुझाव सामने आया कि नवाचार और यांत्रिक उपयोग से युवा इसमें क्रांति ला सकते हैं।

भास्कर : राज्य में जोत कम होती जा रही हैं, परिवार बढ़ रहे हैं, लेकिन उत्पादन नहीं बढ़ रहा। क्या हैं कारण?

उत्तर : यह सही है कि खेती में भूमि की जोत कम होती जा रही हैं। इसका मुख्य कारण परिवारों का बढ़ना व उसके अनुरूप भूमि का विभाजन होना है। उत्पादन न बढ़ने की बात पूरी तरह से सही नहीं। किसी विशेष वर्ष में किसी फसल विशेष में विभिन्न कारणों से उत्पादन कम हो सकता है। वैसे राजस्थान में उत्पादन एवं उत्पादकता दोनों बढ़ रही हैं। तिलहनों व दलहनों में यह बढ़ोतरी धीमी रही है, जिन पर अब ध्यान दे रहे हैं।

भास्कर : किसान अपने बेटे पोतों को खेती की बजाय अन्य क्षेत्रों के लिए प्रेरित करता है, ऐसा क्यों?

उत्तर : हां। इसके कारणों में प्रमुख रूप से खेती में जोखिम, उचित मूल्य न मिलना, प्राकृतिक आपदाएं आदि हैं। आज के भौतिक युग में कोई भी व्यक्ति खेती जैसे व्यवसाय में दूसरे व्यवसायों के मुकाबले अधिक परिश्रम होने के कारण रुचि नहीं लेना चाहता। इसी कारण नई पीढ़ी खेती से विमुख हो रही है। तमाम परिस्थितियों के बीच नई तकनीक अपनाकर खेती से लाभ कमाने वालों के उदाहरण भी हैं, इनमें चटालिया के धर्मेंद्र डूडी, मंडोर के ललित केवड़ा व सिरोही व बाड़मेर में अनार व दूसरे फलों की खेती करने वाले युवा शामिल हैं।

भास्कर : सरकार व विश्वविद्यालयों के स्तर पर कृषि के क्षेत्र में कई तरह के इनोवेशन हो रहे हैं, लेकिन ये सारी जानकारी निचले स्तर तक नहीं पहुंच पा रही हैं। क्या उपाय हो सकता है?

उत्तर : कृषि विश्वविद्यालय एवं नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से जुड़े संस्थान कृषि के क्षेत्र में नवाचार कर रहे हैं। किसानों तक इन जानकारियों को पहुंचाने के लिए राज्य में कृषि प्रसार ढांचे को मजबूत करने की जरूरत है। नए कृषि विज्ञान केंद्रों पर विशेषज्ञों की कमी दूर करनी चाहिए। प्रदेश में स्थित भारत कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों में जब किसी भी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी या तकनीक का विकास किया जाता है तो राज्य सरकार के अनुकूली परीक्षण केंद्र पर मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। इसमें लगने वाले समय से बचने के लिए नई विकसित तकनीक को किसानों तक पहुंचा उनका परिणाम जांच सकता है। ऐसे नवाचार किसानों तक पहुंचाने के लिए डीडी किसान चैनल जैसे माध्यम सहयोगी हो सकते हैं।

भास्कर : क्या काजरी और आफरी जैसे संस्थान अपने मकसद में सफल रहे हैं? क्या कृषि विवि के वैज्ञानिक इनका स्थान ले सकते हैं?

उत्तर : काजरी और आफरी जैसे संस्थान की स्थापना शुष्क जलवायु वाले रेगिस्तानी क्षेत्र में कृषि को बढ़ावा देने और इनके अनुसंधान करने के लिए की गई थी। इसमें इनका काम सराहनीय रहा है। कृषि विवि को अनुसंधान, कृषि ...

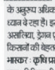

डॉ. बलराजसिंह

भास्कर : किसानों की आय व उपज बढ़ाने के सरकारी प्रयासों को पर्याप्त मानते हैं?

उत्तर : किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से हर क्षेत्र में पर्याप्त प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री सूक्ष्म सिंचाई योजना, संरक्षित खेती, जैविक खेती, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, समन्वित बागवानी विकास जैसी योजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें किसानों को अनुदान देने से लेकर प्रशिक्षण तक शामिल हैं। जहां तक दूसरे देशों के मुकाबले में उत्पादन व उत्पादकता का सवाल है तो हम कई फसलों में विश्व औसत उत्पादकता से कहीं ...

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में किसान मेले का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर - 342 304 (राजस्थान)